हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 नागपुर, मंगलवार, 31 दिसंबर 2024 अंक 79/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

अमृतसर में टोल प्लाजा ठप

पंजाब में किसानों का हल्ला बोल

अमृतसर : अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने आज यानी सोमवार को पंजाब का ऐलान किया हुआ है और जगह-जगह पर रोड भी ब्लॉक कर रखे हैं. जिससे ट्रैफिक बुरी तरह प्रभावित होना शुरू हो गया.

प्रदर्शन के चलते कई ट्रेनें भी लेट चल रही हैं. केंद्र सरकार के ज़रिए प्रदर्शनकारी किसानों की मांगें नहीं माने जाने पर संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने पिछले हफ्ते बंद का ऐलान किया था.

दिल्ली और कश्मीर को जोड़ने वाली पांच ट्रेनें लॉन्च

'पीएम मोदी दिल्ली और कश्मीर को जोड़ने वाली पांच ट्रेनों को लॉन्च करेंगे। ये ट्रेनें कश्मीर के मौसम को ध्यान में रखते हुए ऑनबोर्ड हीटिंग सिस्टम से लैस होंगी।'

नई दिल्ली.

* प्रत्येक ट्रेन में 22 कोच होंगे।
* कोच के पहिए और इंजन के सामने के शीशे बर्फ के जमने को रोकने के लिए डिजाइन किए गए हैं।
* ऑनबोर्ड हीटिंग सिस्टम शून्य से नीचे के तापमान में जमी बर्फ को पिघलाने में मदद करेगा।
* प्लेटफॉर्म से रवाना होने से पहले कोच को दोनों तरफ से सैनिटाइज किया जाएगा।
* श्रीनगर जाने वाले यात्रियों को एयरपोर्ट पर होने वाली जांच की तरह ही विशेष सुरक्षा जांच से गुजरना होगा।
* सामान्य रूट की ट्रेनों की तुलना में रेलवे सुरक्षा बल के अधिक जवान होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनवरी में पांच नई आधुनिक ट्रेनों की सौगात देने जा रहे हैं। दिल्ली और कश्मीर को जोड़ने वाली पांच ट्रेन को लॉन्च करेंगे। ये ट्रेनें कश्मीर के मौसम को ध्यान में रखते हुए ऑनबोर्ड हीटिंग सिस्टम से लैस होगी। ऐसे में ये ट्रेनें न केवल तकनीकी दृष्टि से अत्याधुनिक होंगी, बल्कि विशेष रूप से कश्मीर के कठोर मौसम को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई हैं।

ऑनबोर्ड हीटिंग सिस्टम

कश्मीर के सर्द मौसम को ध्यान में रखते हुए इन ट्रेनों में हीटिंग सिस्टम लगाया गया है, ताकि यात्रियों को सर्दियों में भी आरामदायक यात्रा का अनुभव हो सके। भारतीय रेलवे की यह पहल न केवल परिवहन को आसान बनाएगी, बल्कि कश्मीर घाटी में पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी। ट्रेनें बर्फ से ढके इलाकों से गुजरेंगी और यात्रियों की सुविधा के लिए ऑनबोर्ड हीटिंग सिस्टम से लैस होंगी। हीटिंग सिस्टम शून्य से नीचे के तापमान में भी कोच को गर्म और आरामदायक बनाएगा। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा "पांचों रेक का निर्माण पूरा हो चुका है और ट्रेनें परिचालन के लिए तैयार हैं। इसे अगले साल के पहले महीने में लॉन्च किया जा सकता है।"

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पहुंचे महाकाल मंदिर

उज्जैन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ उपेंद्र द्विवेदी सोमवार को बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंचे. यहां उन्होंने ने गर्भगृह में पूजा-अर्चना की.रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बहुत लंबे समय से बाबा महाकाल के दर्शन करने की इच्छा थी. लेकिन सभी जानते है कि जब तक महाकाल ना चाहें, तब तक कोई उनके दर्शन नहीं कर सकता.

महाकाल की कृपा हुई और मैं आज यहां पहुंचकर उनके चरणों में अपना मस्तक रखा.उन्होंने कहा कि मैं महाकाल के दर्शन करने खुद को बहुत धन्य महसूस कर रहा हूं. इसके बाद वे इंदौर के लिए रवाना हो गए. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को महू में सेना के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे. अब वे इंदौर से सीधे दिल्ली के लिए रवाना होंगे.रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ उपेंद्र द्विवेदी ने श्री महाकाल महालोक में बनाई गई भगवान की शिव की मूर्तियों को निहारा. यहां वाहन में बैठकर उन्होंने महाकाल महालोक के दर्शन किए. रक्षा मंत्री ने विश्व शांति की कामना के साथ देश की जनता की खुशहाली और देश की तरक्की उन्नति के लिए मंगल कामना की.

बयान का निकला गलत मतलब

> प्राजक्ता माली से सुरेश धस ने मांगी माफी

बीड.

विधायक सुरेश धस ने बीड में एक रैली में बोलते हुए अभिनेत्री प्राजक्ता माली का नाम लिया. इससे एक नया विवाद खड़ा हो गया. इसके विरोध में प्राजक्ता माली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विधायक धस से माफी मांगने की अपील की. धस ने माफी मांगने से इनकार कर दिया. इसके बाद रविवार को प्राजक्ता माली ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस से मुलाकात की। यह बात सामने आई है कि इस बैठक के बाद विधायक सुरेश धस ने अपना नाम वापस ले लिया है. विधायक सुरेश धस ने कहा है कि अगर प्राजक्ता माली को ठेस पहुंची है तो वह माफी मांगते हैं. तो ऐसा लगता है कि ये नई शुरू हुई बहस

ख़त्म हो गई है. आगे बोलते हुए सुरेश धस ने कहा, ''प्राजक्तताई माली को लेकर मेरे बयान को गलत समझा गया. मैं उनका अपमान नहीं करना चाहता था या उनके चरित्र के बारे में बात नहीं करना चाहता था। सुरेश धस ने कहा, मैं प्राजक्तताई समेत सभी महिलाओं का सम्मान करता हूं। सुरेश धास ने कहा, 'अगर मेरे बयान का गलत मतलब निकाला गया है और इससे उनके या किसी अन्य महिला के दिल को ठेस पहुंची है तो मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं।' इस बीच मुझे बीजेपी के किसी वरिष्ठ नेता का फोन नहीं आया और न ही किसी ने माफी मांगने के लिए दबाव डाला है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि मेरी केवल चंद्रकांत पाटिल से बात हुई है.

मुझे चंद्रकांत दादा का फोन आया. उन्होंने मुझसे कहा कि अगर आप गलत नहीं हैं तो भी आपको माफी मांगनी चाहिए. इसके बाद सुरेश धस ने माफी मांगते हुए कहा कि वह एक मिनट में माफी मांग लेंगे. मेरी ओर से कुछ भी ग़लत नहीं है, लेकिन मैं क्षमा चाहता हूँ। मेरा ध्यान संतोष देशमुख की हत्या और उसके परिणामों पर है। मैंने इसे अपने हाथ से लिखा है, ताकि यहां-वहां एक भी शब्द छूट न जाए इसे मैंने खुद लिखा और पढ़ा है. सुरेश धस ने कहा कि मैं ग्रेजुएट हूं।

एआई का प्रयोग, गूगल से समझौता

> मुख्यमंत्री के सामने अगले 100 दिनों के काम की योजना, सड़क सुरक्षा पर जोर

मुंबई:

राज्य के मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने बैठकें करना शुरू कर दिया है. कैबिनेट विस्तार के बाद देवेन्द्र फड़नवीस ने संबंधित विभाग के मंत्रियों के साथ जैसे ही हिसाब-किताब बांटा बैठक ले रहे हैं और समीक्षा कर रहे हैं. उन्होंने राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के साथ परिवहन विभाग की समीक्षा की. राज्य में परिवहन क्षेत्र को अगले 3 वर्षों में सुरक्षित, सुंदर और टिकाऊ बनाए रखने के लिए नई ई. वी नीति घोषित करने के साथ ही 15 साल पुराने वाहनों को स्क्रैप किया जाए। सड़क दुर्घटनाओं को मापने के लिए एआई का उपयोग करके सड़क सुरक्षा बढ़ाने पर जोर दिया जाना चाहिए। चूंकि इस संबंध में गुगल के साथ एक समझौता है, इसलिए इसका उपयोग किया जाना चाहिए। वहीं, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने आज की बैठक में निर्देश दिया कि इंजीनियरिंग समाधान निकाला जाए क्योंकि घाटों पर बड़ी संख्या में दुर्घटनाएं होती हैं.

राज्य में परिवहन सेवाओं को गति देने के लिए राज्य में बाइक टैक्सी, मैक्सी कैब की शुरूआत पर जोर दिया जाना चाहिए. साथ ही 13 हजार पुराने सरकारी वाहनों को स्क्रैप करने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि टैक्सी, ऑटो, सिटी बस सेवाओं के टिकट मूल्य के संबंध में भी निर्णय लेने के निर्देश दिये. वडसा-गढ़चिरौली और सोलापुर-उस्मानाबाद रेलवे परियोजना का काम हाथ में लेने का सुझाव दिया. राज्य परिवहन सेवा की 15 साल पुरानी बसों को हटा दिया गया और शेष बसों को एलएनजी से ईंधन दिया गया। साथ ही सी.एन.जी. लगाए जाने चाहिए ताकि बसों की कार्यक्षमता बढ़े। बसों की सुरक्षा के लिए एसओपी इस दौरान मुख्यमंत्री ने इसे ठीक करने के सुझाव भी दिये. इस अवसर पर बंदरगाहों एवं हवाई अड्डा प्राधिकरण आदि पर चर्चा की गई। सह्याद्री गेस्ट हाउस में परिवहन, बंदरगाह और महाराष्ट्र हवाई अड्डा विकास प्राधिकरण विभाग की अगली 100 दिनों की योजना मुख्यमंत्री श्री के अनुसार. फड़नवीस ने समीक्षा की. खाद्य और नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री धनंजय मुंडे, सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आंग आशीष शेलार, ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री जयकुमार गोरे, कपड़ा मंत्री संजय सावकारे, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, राज्य मंत्री योगेश कदम, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, अतिरिक्त मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री को सचिव विकास खड़गे, अतिरिक्त मुख्य सचिव ओ.पी. गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव राजगोपाल देवड़ा, मुख्यमंत्री के सचिव श्रीकर परदेशी, सचिव वीरेंद्र सिंह, सचिव रवींद्र सिंह, परिवहन आयुक्त विवेक भीमनवार एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

'अश्लील वीडियो' को लेकर दोस्त की हत्या

मेरठ : एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह के अनुसार आरोपी किशोर के मोबाइल में उसकी गर्लफ्रेंड के साथ अश्लील वीडियो और फोटो थे. इन्हें अभिनव ने अपने मोबाइल में ट्रांसफर कर उसका मजाक बनाना शुरू कर दिया था. अभिनव ने उसकी गर्लफ्रेंड से दोस्ती करने का दबाव भी डाल रहा था, जिससे दोनों के बीच कहासुनी हुई. मेरठ में किराना व्यापारी के इकलौते बेटे की हत्या उसके दोस्त ने कर दी. दोस्त के पास उसकी गर्लफ्रेंड की कथित अश्लील वीडियो थी, जिसके आधार पर वह युवती पर दोस्ती का दबाव बना रहा था. इससे परेशान होकर किशोर ने दोस्त की हत्या कर दी.परिजन हत्याकांड के बाद से काफी आक्रोशित हैं. उन्होंने पोस्टमार्टम के बाद रोहटा रोड पर शव रखकर जाम लगा दिया, जिसके बाद पुलिस को यातायात में बदलाव करना पड़ा.

केजरीवाल ने आतिशी को कहा कामचलाऊ सीएम

नई दिल्ली.

राजधानी दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सीएम आतिशी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने आतिशी को काम चलाऊ मुख्यमंत्री कहे जाने पर आपत्ति जताई है। इसके साथ ही उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए इस कृत्य को सीएम का और अपना अपमान बताया। उन्होंने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर सीएम आतिशी को अस्थायी और कामचलाऊ सीएम कहकर पद का अपमान किए जाने और इससे आहत होने का जिक्र किया है।

पत्र में केजरीवाल पर लगाए आरोप

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अपने पत्र में लिखा, 'आपको मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने के अवसर पर भी मैंने आपको हृदय से बधाई और शुभकामनाएं दी थीं और तब से अब तक की अवधि में मैंने अपने ढाई साल के कार्यकाल में पहली बार मुख्यमंत्री पद पर आसीन व्यक्ति को मुख्यमंत्री का काम करते देखा। जहां आपके पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री के पास सरकार का एक भी विभाग नहीं था और न ही वह फाइलों पर हस्ताक्षर किया करते थे, वहीं आपने अनेक विभागों का दायित्व लेते हुए प्रशासन के विभिन्न मुद्दों पर काम करने का प्रयास किया।'

काम चलाऊ सीएम कहना पद का अपमान

पत्र में आगे उन्होंने केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए लिखा, 'परन्तु कुछ दिन पूर्व, आपके पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा मीडिया में आपको सार्वजनिक रूप से एक अस्थायी-काम चलाऊ मुख्यमंत्री घोषित किया जाना मुझे बहुत आपत्तिजनक लगा और मैं इससे आहत हुआ।

यह न केवल आपका अपमान था, बल्कि आपकी नियोक्ता महामहिम भारत की राष्ट्रपति और उनके प्रतिनिधि के रूप में, मेरा भी अपमान था। अस्थायी अथवा काम चलाऊ मुख्यमंत्री की जो सार्वजनिक व्याख्या केजरीवाल ने की, उसका कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है और यह बाबा साहब आम्बेडकर द्वारा रचित संविधान में निहित लोकतांत्रिक भावना और मूल्यों की निंदनीय अवहेलना भी है।'

'नए साल का जश्न मनाना शरीयत के खिलाफ, किसी को बधाई भी न दें'...

> ऑल इंडिया मुस्लिम जमात का फतवा

बरेली.

एक तरफ पूरी दुनिया में नए साल के जश्न की तैयारियां चल रही हैं, वहीं उत्तर प्रदेश के बरेली में इसके खिलाफ फतवा जारी हुआ है. मुसलमानों से कहा है कि वे 31 दिसंबर की रात नए साल के जश्न में शामिल न हो. ना ही किसी को अपने मोबाइल या सोशल मीडिया के जरिए बधाई दें।नई दिल्ली. ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने नए साल का जश्न मनाने के खिलाफ फतवा जारी किया है. मुफ्ती शहाबुद्दीन ने बताया कि नए साल का जश्न मनाना ईसाइयों का काम है. यह इस्लाम और शरीयत के खिलाफ है. फतवे में मुसलमानों से अपील की गई है कि वे इस तरह के किसी जश्न का हिस्सा न बनें. फतवे में लिखा गया है कि नए साल जश्न मनाने वाले शरीयत की नजर में मुजरिम हैं. यहां तक कि कोई मुसलमान नए साल की बधाई भी किसी को न दें.

न्यू ईयर पर मध्य प्रदेश में कैसा रहेगा मौसम?

मध्य प्रदेश में फिलहाल बारिश और ओलावृष्टि का कहर नए साल की शुरुआत से ही देखने को मिल सकता है. मौसम विभाग की मानें तो 1 जनवरी 2025 से ही प्रदेश के कई इलाकों में कड़ाके की सर्दी अपना असर दिखाएगी.मध्य प्रदेश के मौसम में पिछले कुछ दिनों से लगातार उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है. हालांकि पूरे प्रदेश में फिलहाल ठंड का अहसास बढ़ गया है. बारिश और ओलावृष्टि के

महाकुंभ 2025: सभी राज्यों के सीएम और राज्यपालों को आमंत्रित कर रही है योगी सरकार

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जनवरी 2025 से शुरू हो रहे महाकुंभ मेले को भव्य बनाने के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों, राज्यपालों और अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित करने की तैयारी शुरू कर दी है . इस बात की जानकारी उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने दिल्ली में आयोजित एक रोड शो के दौरान दी.

योगी सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, और देश के अन्य केंद्रीय मंत्रियों सहित सभी राज्यों के सीएम और गवर्नरों को महाकुंभ में शामिल होने का निमंत्रण दिया है. सुरेश खन्ना ने कहा, "हमने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को महाकुंभ के लिए आमंत्रित किया है और जल्द ही दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी से भी

मुलाकात करेंगे.महाकुंभ हर 12 साल में एक बार आयोजित होने वाला धार्मिक और सांस्कृतिक मेला है, जो इस बार 45 दिनों तक चलेगा.

यह मेला करोड़ों श्रद्धालुओं को संगम पर आस्था की डुबकी लगाने का अवसर प्रदान करता है. यूपी सरकार इसे ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए विशेष इंतजाम कर रही है.बीते रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात कर उन्हें महाकुंभ के लिए आमंत्रित किया.महाकुंभ न केवल धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक भी है. इस आयोजन में दुनियाभर से श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिससे यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देता है.

अब दिल्ली तक आ रही 'नमो भारत'

नई दिल्ली. बहुत जल्द अब नमो भारत ट्रेन का संचालन दिल्ली के न्यू अशोक नगर और आनंद विहार से शुरू होने जा रहा है, इसके लिए तैयारियां भी अंतिम चरण में हैं. एनसीआरटीसी ने किराया भी जारी किया है जो कि बस के किराए के जितना ही है.नमो भारत ट्रेन अब जल्द ही दिल्ली से शुरु होने वाली है. यह ट्रेन दिल्ली के आनंद विहार और न्यू अशोक नगर से चलेगी. इस ट्रेन का किराया लगभग बस के किराए जितना ही रखा गया है. ऐसे में बिना एक्स्ट्रा पैसे दिए यात्री मेरठ तक और भी ज्यादा आरामदायक सफर कर सकते हैं. यह ट्रेन महज 40 मिनट में आपको आनंद विहार से मेरठ तक पहुंचा देगी. जिसका किराया आपको सिर्फ 130 रुपये स्टैंडर्ड क्लास का देना होगा.

देश के ऊनी वस्त्र उद्योग का प्रमुख केंद्र

सालाना लगभग 15,000 करोड़ रुपए का कारोबार

लोगों को मिल रहा रोजगार

लुधियाना का ऊनी वस्त्र उद्योग न केवल स्थानीय रोजगार प्रदान करता है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी पहचान बनाए हुए है. आगामी सीजन में इस हब को बंपर बिक्री की उम्मीद है, जिससे यह क्षेत्र महामारी के प्रभाव से पूरी तरह उबरने और आर्थिक रूप से मजबूत बनने की दिशा में अग्रसर है.

नई दिल्ली.

आज के समय में पंजाब का होजियरी हब देश के ऊनी वस्त्र उद्योग का प्रमुख केंद्र बन गया है. लुधियाना के इस हब से सालाना लगभग 15,000 करोड़ रुपए का कारोबार होता है. यह हब न केवल भारत में ऊनी कपड़ों की लगभग 80% मांग को पूरा करता है, बल्कि विश्वभर में 200 करोड़ रुपए के ऊनी वस्त्रों का निर्यात भी करता है. यहां लगभग 14,000 यूनिट्स संचालित हैं, जो पांच लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं. महामारी के दौरान लुधियाना के ऊनी वस्त्र उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा. लॉकडाउन और वैश्विक आर्थिक संकट के कारण तैयार माल का न तो परिवहन हो सका और न ही बिक्री हुई. इसके परिणामस्वरूप, निर्माताओं को वित्तीय संकट झेलना पड़ा और वे सर्दियों के कपड़ों के लिए आवश्यक कच्चा माल नहीं खरीद सके. अधिकांश उत्पादक इकाइयां ठप हो गईं और मजदूरों के भुगतान में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. महामारी के बाद हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं. उद्योग से जुड़े कारोबारी बिपिन अरोड़ा के अनुसार, इस वर्ष ठंड अधिक होने की संभावना है, जिससे ऊनी वस्त्रों की मांग में भारी वृद्धि की उम्मीद है. उद्योग ने तीन शिफ्टों में उत्पादन शुरू कर दिया है और बड़ी विनिर्माण इकाइयां 80-100% उत्पादन क्षमता तक पहुंच चुकी हैं. सूक्ष्म और लघु इकाइयां भी 50-60% क्षमता तक उत्पादन कर रही हैं. लुधियाना के ऊनी उत्पाद मुख्य रूप से बड़े व्यापारियों द्वारा खरीदे जाते हैं, जो इन्हें बाजार में बेचते हैं. कारोबारी अरोड़ा ने बताया कि लुधियाना के उत्पादों का ऑनलाइन बिक्री में बहुत कम योगदान है. निर्माताओं को प्रति आइटम मात्र ₹10-₹15 का मुनाफा होता है, लेकिन ऑर्डरों की बड़ी संख्या उनके व्यापार को स्थिर बनाए रखती है. 70% से अधिक श्रमिक प्रवासी मजदूर हैं, जो त्योहारों के समय अपने गृह राज्यों में जाते हैं. हालांकि, अब वे वापस आ गए हैं और उत्पादन में योगदान दे रहे हैं. इस सामूहिक प्रयास से उद्योग को महामारी से हुए नुकसान की भरपाई करने और आने वाले सर्दियों के मौसम में बिक्री बढ़ाने की उम्मीद है.

अडानी ग्रुप की ये कंपनी कराएगी मोटी कमाई

नई दिल्ली.

अगर आपके पोर्टफोलियो में भी अडानी ग्रुप की कंपनी का ये स्टॉक है तो ये खबर आपके काम की साबित हो सकती है. अडानी ग्रुप की अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर आज भाग रहे हैं. दरअसल, स्टॉक रिसर्च फर्म वेंचुरा ने अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयर को खरीदने की सलाह दी है. शेयर के पंख आज अचानक क्यों लग गए .ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि मौजूदा लेवल से स्टॉक 58 फीसदी की कमाई करा सकता है. इस खबर के आते ही आज शेयर में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है. ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि स्टॉक अपने इस लेवल से 58 फीसदी ज्यादा कमाई करा सकता है यानी ये 3801 रुपये तक शेयर जा सकता है. ब्रोकरेज हाउस ने अपने पुराने टारगेट से स्टॉक के टारगेट प्राइस में कटौती की है. फर्म का मानना है कि हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट और अमेरिकी न्याय विभाग की नोटिस के बाद अडानी के शेयर में अस्थिरता देखने को मिल रही है. अडानी की ग्रीन हाइड्रोजन की महत्वाकांक्षी परियोजना में भी लगभग एक साल की देरी हो सकती है. इस कारण स्टॉक के टारगेट प्राइस में कटौती की गई है. हालांकि रिसर्च फर्म ने साफ किया है कि एईएल के शेयरों के फाइनेंशियल और ऑपरेशनल फंडामेंटल्स स्ट्रांग जोन में हैं. वेंचुरा सिक्योरिटीज की ओर से एईएल के स्टॉक टारगेट प्राइस को 37 फीसदी घटाने के बाद इसे 3,801 रुपये पर रहने का अनुमान जताया है. पहले इसे 5,999 रुपये का टारगेट फर्म ने दिया था. ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, स्टॉक में अगले 24 महीनों में 57.8 प्रतिशत की संभावित बढ़त की संभावना जताई गई है. इस रिपोर्ट के बाद अडानी एंटरप्राइजेज का स्टॉक 6 फीसदी से ज्यादा चढ़ गया है और 2566 रुपये पर कारोबार कर रहा है. अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड को अगले दस साल में सात लाख करोड़ रुपये तक जुटाने हैं. एयरपोर्ट, डाटा सेंटर, कॉपर, ग्रीन हाइड्रोजन और उसके इको सिस्टम से जुड़े अडानी के कई प्रोजेक्ट लाइन में हैं. दूसरी तिमाही में अडानी इंटरप्राइजेज ने विदेशी और भारतीय दोनों ही निवेशकों से 4200 करोड़ रुपये जुटाए हैं.

आईपीओ की ग्रे मार्केट में धूम

नई दिल्ली.

2024 का आखिरी दिन निवेशकों के लिए एक बड़ा मौका लेकर आ रहे हैं. ट्रैक्टर और क्रेन बनाने वाली कंपनी इंडो फार्म इक्विपमेंट का आईपीओ 31 दिसंबर को खुलने जा रहा है. यह आईपीओ 2 जनवरी 2024 तक निवेश के लिए उपलब्ध रहेगा. ग्रे मार्केट में इस आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, जिससे निवेशकों का उत्साह और बढ़ गया है. इंडो फार्म इक्विपमेंट ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड ₹204 से ₹215 प्रति शेयर तय किया है. निवेशकों को कम से कम 69 शेयरों का एक लॉट खरीदना होगा, जिसका न्यूनतम मूल्य ₹14,835 होगा. इस आईपीओ का कुल साइज ₹260.15 करोड़ है. जिसमें 86 लाख नए शेयर जारी होंगे और 35 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल के रूप में बेचे जाएंगे. आईपीओ में 50% हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए, 35% रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए, और 15% नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है. ग्रे मार्केट में इस आईपीओ का प्रीमियम ₹90 प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहा है. इससे संकेत मिलता है कि लिस्टिंग के समय शेयर ₹315 पर खुल सकता है, जिससे निवेशकों को लगभग 41.86% का लाभ हो सकता है. हालांकि, निवेशकों को केवल ग्रे मार्केट के प्रदर्शन के आधार पर निर्णय लेने के बजाय कंपनी के फंडामेंटल्स का अध्ययन करना चाहिए. इस आईपीओ का अलॉटमेंट 3 जनवरी 2024 को फाइनल होगा, और इसके शेयर 7 जनवरी 2024 को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे.

कंपनी आईपीओ से जुटाए गए फंड का इस्तेमाल पिक एंड कैरी क्रेन्स के लिए नई यूनिट स्थापित करने में करेगी, इसके साथ ही कंपनी के मौजूदा कर्ज का भुगतान और एनबीएफसी सब्सिडियरी निवेश करेगी. इंडो फार्म इक्विपमेंट का आईपीओ ग्रे मार्केट में आकर्षक संकेत दे रहा है, लेकिन निवेश करने से पहले कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन, बाजार हिस्सेदारी, और भविष्य की योजनाओं का गहराई से विश्लेषण करना जरूरी है. विशेषज्ञों का मानना है कि दीर्घकालिक नजरिए से यह निवेश एक अच्छा विकल्प हो सकता है.

इनकम टैक्स का बोझ कम करे सरकार

उद्योग जगत ने वित्तमंत्री को सौंपी मांगों की फेहरिस्त

नई दिल्ली.

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक फरवरी 2025 को पेश होने वाले बजट को लेकर उद्योगजगत के प्रतिनिधियों के साथ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नार्थ ब्लॉक स्थित वित्त मंत्रालय में अहम बैठक की है. इस बैठक में उद्योगजगत ने वित्त मंत्री से इनकम टैक्स रेट्स के बेहद ज्यादा होने को लेकर चिंता जाहिर करते हुए उसे कॉरपोरेट टैक्स रेट में कटौती के समान कम करने की मांग की है. पीएचडी चैंबर ने शेयर बाजार के निवेशकों को राहत देते हुए सिक्योरिटीज ट्रांसजैक्शन टैक्स को खत्म करने का सुझाव दिया है.

प्री-बजट मीटिंग में बिजनेस चैंबर के प्रतिनिधि शामिल हुए. एसोचैम की ओर से वित्त मंत्री को जो मांगों की फेहरिस्त सौंपी गई है उसमें इंडीविजुल्स टैक्सपेयर्स पर टैक्स के बोझ को कम करने की मांग की गई है. एसोचैम ने कहा, कॉरपोरेट रेट्स भारत में ग्लोबल लेवल पर बेहद कॉम्पिटिटिव हो चुका है.

कॉरपोरेट टैक्स में जैसी कटौती की गई है वैसे ही कटौती पर्सनल इनकम टैक्स रेट्स में भी किया जाए. एसोचैम के मुताबिक पर्सनल और कॉरपोरेट टैक्स रेट के बीच खाई बढ़ी है. इनकम टैक्स के सबसे उच्च स्लैब के लिए टैक्स रेट पुराने इनकम टैक्स रिजीम में बढ़कर 42.744 फीसदी हो चुका है जबकि न्यू टैक्स रिजीम में टैक्स रेट 39 फीसदी है. जबकि सामान्य कॉरपोरेट टैक्स रेट केवल 25.17 फीसदी है.

यानी सामान्य टैक्सपेयर्स को ज्यादा टैक्स का भुगतान करना पड़ रहा है जबकि कॉरपोरेट जगत कम टैक्स दे रहा है. एसोचैम के मुताबिक भारत में पर्सनल इनकम टैक्स रेट दूसरे देशों के मुकाबले सबसे ज्यादा है. पर्सनल इनकम पर सबसे अधिकतम टैक्स रेट हांगकांग में 15 फीसदी, श्रीलंका में 18 फीसदी, बांग्लादेश में 25 फीसदी और सिंगापुर में केवल 22 फीसदी है. साथ ही दो टैक्स रिजीम के लागू होने के बाद टैक्सपेयर्स के लिए इनकम टैक्स बेहद जटिल हो चुका है. पीएचडी चैंबर ने वित्त मंत्री से शेयर बाजार में ट्रेडिंग पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स को पूरी तरह खत्म करने का सुझाव दिया है. चैंबर ने अपनी सिफारिशों में कहा, हाल में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स को 10 फीसदी से बढ़ाकर 12.5 फीसदी कर दिया गया है. अब शेयरों पर लगने वाले लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स दूसरे एसेट्स पर लगने वाले समान हो चुका है ऐसे में सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स को खत्म कर देना चाहिए. सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष में शेयर बाजार में शानदार तेजी के बीच 40,114 करोड़ रुपये सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स की वसूली की है. पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के मुताबिक इससे निवेशकों पर टैक्स का बोझ कम होगा और शेयर बाजार में निवेश बढ़ेगा जिससे अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी.

15000 वेबसाइट्स और इंफ्लुएंसर्स पर चला सेबी का डंडा

नई दिल्ली. अगर आप भी यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर स्टॉक मार्केट से कमाई करते हैं तो ये खबर आपके काम की साबित हो सकती है. दरअसल, आजकल सोशल मीडिया पर हर दूसरा आदमी अपने आप को इंफ्ल्युएंसर बताता है. कई ऐसे लोग हैं जो सोशल मीडिया पर खुद को इंफ्लुएंसर्स बताकर शेयर मार्केट के टिप्स और स्टॉक्स रिकमेंडेशन्स देते रहते हैं. अगर आप भी सोशल मीडिया पर स्टॉक रेकमेंडेशन देते हैं तो आपको सावधान रहने की जरुरत है. क्योंकि ऐसे ही लोगों पर सेबी का डंडा चला है. दरअसल, साल 2024 में कई ऐसे लोगों पर कार्रवाई हुई है, जिन्होंने शेयर बाजार को लेकर लोगों को गुमराह किया और टिप्स दिए हैं. इसमें से एक इंफ्लुएंसर पर तो हाल ही में कार्रवाई भी हुई है. यही नहीं, सेबी ने ऐसे ही कंटेंट बनाने वाली 15000 से ज्यादा वेबसाइट्स को भी बैन किया है. शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर गलत जानकारी देने वाले और गुमराह करने वाले लोगों ओर सेबी ने इस साल सबसे बड़ी कार्यवाई की है.

प्राइवेट बैंकों पर संकट

नई दिल्ली. प्राइवेट बैंकों के लिए खतरे की घंटी हैं. उनके 25 फीसदी कर्मचारी नौकरी छोड़ रहे हैं. इसका कस्टमर सेवाओं पर बुरा असर पड़ सकता है. रिजर्व बैंक ने इस पर चिंता जताई है. रिजर्व बैंक की ओर से कहा गया है कि प्राइवेट बैंकों और छोटे फाइनेंशियल बैंकों में कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर काफी अधिक है. इसमें 25 फीसदी तक की वृद्धि देखी जा रही है. रिजर्व बैंक की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023-24 में प्राइवेट बैंकों के कर्मचारियों की कुल संख्या सरकारी बैंकों से अधिक हो गई है. परंतु, इतनी बड़ी तादाद में नौकरी छोड़ने के कारण ग्राहक सेवाओं में बाधा पैदा होने के साथ ही कर्मचारियों की भर्ती लागत में भी वृद्धि होती है. इसलिए कर्मचारियों को रोकने काम केवल एचआर पर छोड़ने की जगह रणनीति बनाई जानी चाहिए. इसके लिए कर्मचारियों को बैंक के अंदर बेहतर माहौल, पर्याप्त ट्रेनिंग और जॉब ग्रोथ के अवसर भी प्रदान करने चाहिए. रिजर्व बैंक ने गोल्ड लोन के बारे में भी बैंकों को अपने गिरेबां में झांकने की सलाह दी है. इलमें कहा गया है कि बैंकों को गोल्ड लोन के बारे में अपनी नीतियों की समीक्षा करनी चाहिए, ताकि इससे संबंधित सुधारात्मक उपाय शुरू किए जा सकें. इसमें बैंकों से गोल्ड लोन पोर्टफोलियो पर सावधावी से निगरानी रखने की हिदायत दी गई है. खासकर इस बारे में आउटसोर्सिंग और थर्ड पार्टी सर्विस से जुड़े कामों में नियंत्रण की जरूरत बताई गई है. रिजर्व बैंक की ओर से 2023-24 में बैंकिग टेंडेसी और ग्रोथ पर पूरी रिपोर्ट जारी की गई है.

600 घर खरीदारों को मिली खुशखबरी

अब जल्द मिलेगा अपना आशियाना

नई दिल्ली.

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में आरजी लग्जरी होम प्रोजेक्ट में फंसे कुल 600 खरीदारों को जल्द ही उनके फ्लैट मिल जाएंगे. ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने परियोजना के सात टावरों में बने फ्लैट्स के लिए ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) जारी कर दिया है. दिवालिया प्रक्रिया में होने के बावजूद इन सात टावरों के लिए ओसी जारी होने से उन खरीदारों की उम्मीदें बढ़ गई हैं, जो लगभग 14 वर्षों से अपने फ्लैटों पर कब्जा करने का इंतजार कर रहे हैं. मूल रूप से परियोजना के पहले फेज में 9 टावरों में 1,918 फ्लैट बनाने की योजना बनाई गई थी. निर्माण में देरी होने पर खरीदारों ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) का दरवाजा खटखटाया. अक्टूबर 2021 में बिल्डर ने एनसीएलटी के आदेश के बाद एक अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) की देखरेख में निर्माण फिर से शुरू किया. पिछले साल चार टावरों- ए, बी, सी और एम का निर्माण पूरा हो गया था और फरवरी 2024 में प्राधिकरण ने इन टावरों में 854 फ्लैटों के लिए ओसी जारी किया था. इसके अलावा तीन और टावरों में 600 फ्लैटों का निर्माण पूरा हो चुका है, और प्राधिकरण ने उनके ओसी भी जारी कर दिए हैं. आईआरपी मनोज कुलमशस्ती ने कहा कि एनसीएलटी के तहत परियोजना को पूरा करने की चुनौतियों का समाधान करना महत्वपूर्ण था, लेकिन अब 1,454 फ्लैटों का निर्माण पूरा हो चुका है. इस परियोजना के पहले फेज में 1,918 खरीदार शामिल हैं. इनमें से 1,454 खरीदारों के लिए कब्जे का रास्ता साफ हो गया है, लेकिन 454 खरीदारों को अपने फ्लैट प्राप्त करने के लिए अभी भी एक साल और इंतजार करना पड़ सकता है. आरजी ग्रुप के निदेशक हिमांशु गर्ग ने दावा किया कि शेष दो टावरों पर निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है, और निर्माण पूरा होने के तुरंत बाद शेष खरीदारों को भी कब्जा मिल जाएगा.

164% चढ़ने के बाद शेयर बाजार बेकाबू

नई दिल्ली. एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स के शेयर लिस्टिंग के बाद से लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर हाल ही में नवंबर में एक्सचेंजों पर लिस्ट हुए थे। कंपनी ने आईपीओ के लिए 148 रुपये का अपर प्राइस बैंड तय किया था और बीएसई पर यह स्टॉक 218 रुपये पर लिस्ट हुआ था। लिस्टिंग के कुछ ही दिन के भीतर यह शेयर 392 रुपये के अपने नए उच्च स्तर पर पहुंच गया था। यानी आईपीओ प्राइस से लगभग 164% का मल्टीबैगर रिटर्न दे चुका है। हालांकि, अब इसमें गिरावट देखी जा रही है। वर्तमान में कंपनी के शेयर में आज 6% से अधिक की गिरावट दर्ज की गई और यह शेयर 301.50 रुपये पर आ गया था। पिछले पांच दिन में इसमें 8% तक की गिरवट देखी गई है।

महिलाएं सशक्तिकरण को आगे बढ़ा रहीं

छत्तीसगढ़.

विविधतापूर्ण अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी एसीसी, अदाणी फाउंडेशन के साथ मिलकर कृषि नवाचारों के माध्यम से जामुल में ग्रामीण सशक्तिकरण को आगे बढ़ा रही है। एकीकृत सामुदायिक विकास परियोजना (आईसीडीपी) के माध्यम से, छत्तीसगढ़ के नंदिनी खुंडिनी की कांति बाई यादव ने आधुनिक पशुधन पद्धतियों को अपनाया, जिससे वित्तीय स्वतंत्रता और अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त हुआ।एसीसी और अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से, एक छोटी किसान कांति बाई यादव ने अपनी गाय के लिए सेक्स सॉर्टेड सीमेन (एसएसएस) कृत्रिम गर्भाधान (एआई) तकनीक अपनाई। इस तकनीक के परिणामस्वरूप उच्च उपज वाली मादा गिर बछड़े का जन्म हुआ,

जिससे दूध उत्पादन से स्थिर आय होने का वादा किया गया और उसके परिवार का वित्तीय बोझ कम हुआ। कांति बाई ने कहा, "इससे हमारा जीवन बदल गया है और हमें अधिक सुरक्षित भविष्य की उम्मीद जगी है," उन्होंने इस बात का उदाहरण दिया कि किस प्रकार आधुनिक पशुधन विकास पद्धतियां ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता की ओर सशक्त बनाती हैं। एसीसी और अदाणी फाउंडेशन ऐसे परिवर्तनकारी बदलावों को बढ़ावा देकर ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने और समुदायों का उत्थान करने में लगे हुए हैं।

फाउंडेशन के सहयोग से, एक छोटी किसान कांति बाई यादव ने अपनी गाय के लिए सेक्स सॉर्टेड सीमेन (एसएसएस) कृत्रिम गर्भाधान (एआई) तकनीक अपनाई। इस तकनीक के परिणामस्वरूप उच्च उपज वाली मादा गिर बछड़े का जन्म हुआ, जिससे दूध उत्पादन से स्थिर आय होने का वादा किया गया और उसके परिवार का वित्तीय बोझ कम हुआ।कांति बाई ने कहा, "इससे हमारा जीवन बदल गया है और हमें अधिक सुरक्षित भविष्य की उम्मीद जगी है," उन्होंने इस बात का उदाहरण दिया कि किस प्रकार आधुनिक पशुधन विकास पद्धतियां ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता की ओर सशक्त बनाती हैं. एसीसी और अदाणी फाउंडेशन ऐसे परिवर्तनकारी बदलावों को बढ़ावा देकर ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने और समुदायों का उत्थान करने में लगे हुए हैं।

हरियाणा में महंगी होगी प्रॉपर्टी

सरकार के फैसले का दिखेगा असर

नई दिल्ली.

हरियाणा सरकार एक ऐसा फैसला लिया है जिससे प्रॉपर्टी के दाम में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है. सरकार ने राज्य में विभिन्न संभावित रियल एस्टेट इलाकों के एक्सटरनल डेवलपमेंट चार्च को 2025 तक 20 फीसदी और 2026 से हर साल 10 फीसदी बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. इस फैसले से रियल एस्टेट डेवलपमेंट की कॉस्ट बढ़ने की संभावना है, जिससे खरीदारों के लिए प्रॉपर्टी महंगी हो सकती हैं. वहीं दूसरी ओर इस ज्यादा ईडीसी कलेक्शन से हरियाणा के में इंफ्रा प्रोजेक्ट्स को फंड करने में मदद मिल सकती है और हरियाणा के डेवलपमेंट करने में काफी मदद मिल सकती है. सरकार की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार कैबिनेट ने 1 जनवरी, 2025 से 20 फीसदी की एकमुश्त वृद्धि को मंजूरी दी. उसके बाद हर साल 1 जनवरी से 10 फीसदी इजाफे पर मुहर लगाई है. ईडीसी एक प्रोजेक्ट की बाउंड्री के बाहर सड़क, नालियां, बिजली के बुनियादी ढांचे, पानी और सीवेज लाइनों जैसी बाहरी बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए रियल एस्टेट डेवलपर्स से कलेक्ट किया गया शुल्क है. ईडीसी की कैलकुलेशन टाउन और कंट्री प्लानिंग डिपार्टमेंट (डीटीसीपी) द्वारा एरिया- वाइज की जाती है, जो किसी विशेष हाउसिंग, कमर्शियल, इंडस्ट्रीयल या मिक्स्ड -यूज्ड वाले इलाके की वृद्धि की संभावना पर निर्भर करता है. दरों को आखिरी बार 2015 में रिवाइज्ड किया गया था.

बढ़ेगा बायर्स पर बोझ

❑ नारेडको (नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल), हरियाणा के अध्यक्ष परवीन जैन ने कहा कि 10 फीसदी सालाना ईडीसी वृद्धि से पूरे राज्य और विशेष रूप से गुरुग्राम में डेवलपर्स और एंड यूजर्स पर बड़ा वित्तीय बोझ पड़ेगा. उन्होंने कहा कि 2015-2016 के आसपास, डेवलपर्स ने लाइसेंस लेना लगभग बंद कर दिया था क्योंकि ईडीसी दरें बहुत अधिक थीं जिसके बाद सरकार ने इसे धीमा कर दिया और शुल्क नहीं बढ़ाया. 10 फीसदी वृद्धि अव्यावहारिक होगी, और सरकार को इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए. उन्होंने कहा, शहर में सड़कों सहित मौजूदा बुनियादी ढांचे का विकास नहीं किया गया है, जबकि डेवलपर और घर खरीदारों ने ईडीसी में हजारों करोड़ रुपए का भुगतान किया है.

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र सागरलक्ष्मी विकली लॉटरी | सोडत दर सोमवारी | तिकीट किंमत रु. 50/- | सोडत क्र. 53 | सोडत दिनांक 30/12/2024

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — SL-04 : 1563

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- — पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी 1563 — रॉयल एजन्सी - आंकली, श्री गणेश एन्टरप्रायझेस - दादर, मुंबई

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

बक्षिस						
दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1975	2837	2855	3464	4165	4523
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1042	2787	3585	3854	4768	5042
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1054	2438	5289	5572	6365	6705
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	1172	2991	2992	2979	3726	4940

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

रु.100/- (सर्व मालिकांसाठी)		1815	2235	2594	3030	3405	3948	4420	4749	5267	5701	6116	6564
		1827	2242	2597	3032	3418	3958	4428	4763	5282	5723	6158	6566
1003	1247	1839	2250	2612	3035	3434	3983	4437	4773	5287	5727	6173	6600
1007	1259	1863	2252	2615	3043	3457	3986	4440	4796	5295	5735	6188	6605
1010	1271	1878	2256	2623	3073	3475	4000	4444	4809	5297	5740	6216	6609
1015	1279	1889	2257	2627	3133	3479	4024	4447	4821	5317	5745	6218	6620
1024	1299	1891	2262	2628	3135	3506	4041	4451	4828	5339	5753	6241	6621
1043	1309	1906	2267	2629	3142	3508	4045	4466	4864	5357	5762	6245	6625
1052	1313	1911	2292	2642	3143	3514	4047	4468	4874	5369	5794	6264	6628
1055	1320	1913	2293	2655	3170	3523	4055	4471	4891	5376	5795	6277	6650
1066	1340	1916	2295	2675	3177	3537	4074	4473	4940	5407	5848	6284	6656
1067	1369	1921	2300	2699	3184	3556	4078	4475	4943	5408	5864	6287	6657
1070	1371	1963	2314	2700	3210	3569	4084	4480	4947	5450	5871	6297	6658
1082	1382	1969	2326	2719	3234	3603	4088	4486	4977	5452	5872	6300	6660
1087	1418	1981	2328	2722	3251	3655	4097	4495	4981	5456	5873	6307	6662
1091	1431	2002	2336	2726	3263	3690	4104	4499	4990	5464	5878	6314	6671
1097	1439	2021	2353	2727	3273	3701	4109	4502	5002	5466	5882	6324	6681
1101	1467	2024	2380	2728	3281	3703	4118	4520	5004	5489	5889	6326	6686
1112	1485	2041	2415	2753	3293	3718	4147	4527	5005	5507	5898	6339	6696
1115	1488	2063	2427	2782	3303	3739	4160	4537	5007	5509	5905	6343	6698
1116	1502	2070	2430	2792	3327	3759	4177	4545	5019	5513	5945	6361	6700
1127	1537	2072	2436	2801	3334	3765	4200	4555	5029	5529	5951	6366	6714
1135	1541	2082	2441	2807	3335	3773	4204	4567	5050	5530	5952	6375	6715
1179	1574	2096	2461	2810	3336	3779	4215	4577	5056	5534	5953	6376	6720
1182	1588	2099	2472	2811	3339	3783	4234	4583	5088	5556	5957	6383	6776
1195	1593	2101	2499	2820	3349	3809	4246	4620	5138	5558	5990	6390	6813
1199	1649	2102	2502	2822	3351	3830	4258	4627	5144	5565	6002	6397	6880
1200	1710	2125	2522	2880	3354	3831	4279	4636	5151	5575	6013	6403	6899
1210	1717	2167	2527	2890	3357	3874	4281	4642	5155	5580	6062	6436	6906
1215	1740	2177	2548	2913	3377	3878	4283	4657	5168	5585	6063	6463	6945
1219	1745	2185	2555	2948	3381	3883	4296	4684	5172	5587	6064	6467	6961
1223	1765	2204	2559	2962	3383	3899	4329	4703	5177	5588	6065	6492	6962
1227	1771	2220	2561	2980	3389	3918	4348	4704	5190	5595	6066	6493	6963
1230	1777	2225	2570	2992	3391	3932	4363	4740	5204	5635	6068	6509	6966
1234	1781	2232	2572	3003	3394	3935	4377	4742	5230	5638	6106	6517	6987
1242	1812	2233	2587	3016	3402	3936	4390	4746	5241	5654	6109	6548	6999

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — MAHARASHTRA NATAL NEW YEAR BUMPER DRAW — सोडत दिनांक 03-01-2025 — जिंका फक्त 4 अंकावर — मालिका 10 — पहिले सामायिक हमीपात्र बक्षिस ₹ 50 लाख (₹ 25 लाखाची 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस ₹ 10 लाख (₹ 10,000 X 100 बक्षिसे) — नव वर्षाच्या हार्दिक शुभेच्छा

सागरलक्ष्मी सोडत दिनांक 30/12/2024 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. — प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 53 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 30/12/2024

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	7583	9751	0417 रॉयल एजन्सी - आंकली	0489 श्री एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई	8875

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

बक्षिस										
दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	5004	7732								
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	1073 मेवाड एजन्सी - मुंबई	2811	5407	5765	7252					
चौथे बक्षिस रु. 1000/-	0640	1196	1568	2283	2420	2503	3511	4747	5059	7865
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	2440	2801	3868	4017	4155	5991	7030	7381	9177	9892

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-	0565	1461	2429	3410	4506	5503	6622	7206	8068	9108
	0580	1619	2432	3541	4520	5520	6623	7262	8089	9122
0006	0608	1621	2542	3561	4655	5522	6629	7350	8118	9370
0016	0678	1703	2595	3601	4680	5545	6661	7374	8246	9427
0031	0732	1734	2632	3740	4742	5561	6663	7453	8554	9464
0052	0835	1788	2740	3759	4755	5653	6726	7475	8607	9490
0055	0929	1820	2834	3772	4778	5682	6729	7503	8742	9499
0079	0960	1837	2863	3789	4789	5692	6730	7507	8769	9565
0086	0976	1841	2865	3828	4828	5767	6803	7562	8778	9616
0099	1047	1905	3022	4042	4836	5917	6846	7730	8782	9617
0143	1068	1984	3103	4188	4884	6011	6873	7731	8828	9649
0174	1147	2028	3138	4234	5167	6109	6966	7734	8844	9691
0183	1148	2047	3229	4242	5186	6110	6969	7740	8845	9709
0249	1164	2138	3270	4330	5226	6158	7007	7747	8855	9863
0300	1171	2222	3296	4343	5377	6168	7093	7762	8858	9888
0374	1278	2276	3320	4366	5392	6218	7107	7767	8885	9912
0495	1361	2352	3354	4446	5416	6270	7119	7790	8935	9957
0531	1411	2412	3360	4460	5448	6515	7127	7982	8954	9963
0536	1451	2425	3379	4487	5450	6553	7193	7987	9007	9989

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — MAHARASHTRA NATAL NEW YEAR BUMPER DRAW — सोडत दिनांक 03-01-2025 — जिंका फक्त 4 अंकावर — मालिका 10 — पहिले सामायिक हमीपात्र बक्षिस ₹ 50 लाख (₹ 25 लाखाची 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस ₹ 10 लाख (₹ 10,000 X 100 बक्षिसे) — नव वर्षाच्या हार्दिक शुभेच्छा

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी सोडत दिनांक 30/12/2024 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे — प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

राजनीति में तरह-तरह की चर्चाएं

> शरद पवार गुट के विधायक जानकर का बड़ा दावा

मुंबई.

एनसीपी शरद चंद्र पवार के विधायक उत्तम जानकर ने विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर बड़ा दावा किया है. उनके दावों से महाराष्ट्र की राजनीति में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई है. राज्य में विधानसभा चुनाव के बाद एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों में कहीं भी यह नहीं कहा गया कि महाविकास आघाड़ी को करारी हार मिलेगी. कई संगठनों के सर्वे में कहा गया कि महाविकास अघाड़ी और महायुति के बीच टक्कर होगी. लेकिन परिणाम बहुत अलग आए.

महाविकास अघाड़ी की तीनों पार्टियां 50 के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकीं. महायुति ने 230 से अधिक सीटें जीतीं. इस नतीजे के बाद राज्य में सरकार भी बन गई है. नई सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार हो चुका है और विभागों का आवंटन भी हो चुका है. साथ ही शीतकालीन सत्र भी नागपुर में आयोजित किया गया. इसके बाद शरद पवार की पार्टी के विधायक उत्तम जानकर ने नतीजे को लेकर सनसनीखेज दावा किया है

उत्तम जानकर ने दावा किया है कि विधानसभा चुनाव में 150 विधानसभा क्षेत्रों में गड़बड़ी हुई है.

निर्वाचन क्षेत्र का गहराई से अध्ययन किया

उत्तम जानकर ने दावा किया कि अजित दादा के पास केवल 12 विधायक चुने गए हैं. उसके बाद एकनाथ शिंदे के 18 विधायक ही चुने गए हैं. बीजेपी के 77 विधायक चुने गए हैं. इनकी कुल संख्या 107 और निर्दलीय 110 हैं. उत्तम जानकर ने कहा, मैंने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र का गहराई से अध्ययन किया है.

उपमुख्यमंत्री अजित पवार बारामती में 20 हजार वोटों से हार गए थे. जबकि महायुति को सिर्फ 107 सीटें मिली हैं. ईवीएम कंट्रोल बॉक्स से छेड़छाड़ की गई है. उत्तम जानकर का कहना है कि तकनीकी तौर पर यह ध्यान देने योग्य नहीं है, लेकिन उन्होंने इसके लिए कुछ आंकड़े भी पेश किए हैं.

उन्होंने कहा है कि इस सरकार ने जो चुनाव कराया है, उसमें 150 सीटों के साथ छेड़छाड़ की गई है. उनके निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या की जानकारी लेने पर जानकारी मिल रही है कि अजित दादा भी 20 हजार वोटों से हार गए थे. अजित दादा को 1 लाख 80 हजार वोट मिले हैं, एक तिहाई यानी उनके यहां प्रस्ताव रखा गया था. इस लिहाज से युगेंद्र पवार के वोट 80 हजार प्लस 60 हजार यानी 1 लाख 60 हजार होते हैं. अजित दादा के 1 लाख 80 हजार वोट में से 60 हजार को घटा दें तो कुल वोटों की संख्या 1 लाख 20 हजार ही होती है.

सरपंच हत्याकांड में नया खुलासा

बीड.

बीड में सरपंच हत्याकांड में नए-नए मोड़ सामने आते जा रहे है और ये हत्याकांड बड़ा बनता जा रहा है। इस घटना से संबंधित हत्याकांड का मुख्य आरोपी वाल्मीकि कराड अभी तक फरार है और बीड पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस लगातार उसके फोन की लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि वाल्मीकि कराड का आखिरी लोकेशन मध्यप्रदेश के उज्जैन में मिला है। फोन बंद होने से पहले वाल्मीकि कराड का फोन उज्जैन में एक्टिव था। इतना ही नहीं उसने सोशल मीडिया पर फोटो भी अपलोड की थी, जिसमें उसके साथ उसके साथ सुरक्षाकर्मी पुलिस भी मौजूद थी।संतोष देशमुख सरपंच हत्याकांड की जांच

जब से सीआईडी को सौंपी गई तब से मुख्य आरोपी वाल्मीकि कराड अंडरग्राउंड हो गया है। सीआईडी भी लगातार उसकी तलाश कर रही है।

29 दिसंबर को उसकी गिरफ्तारी की खबर पुणे से सामने आई थी लेकिन सीआईडी और पुणे पुलिस ने ऐसी किसी भी गिरफ्तारी की खबर को खारिज कर दिया है और कहा है कि ऐसी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपी की तलाश में सीआईडी कई जगह-जगह छापेमारी कर उसकी तलाश कर रही है। वहीं, सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीर को देखने के बाद बीड पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए जा रहे है। महाराष्ट्र के विपक्ष दल का आरोप है कि धनंजय मुंडे के लोग बीड सरपंच हत्याकांड में शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर ओबीसी फेडरेशन के नेता बबनराव तायवाडे का कहना है कि इस मामले में धनंजय मुंडे को निशाना बनाया जा रहा है जो कि ठीक नहीं है। उन्हें निशाना बनाया गया तो विरोध प्रदर्शन होगा। तायवाडे ने यह भी कहा कि अगर धनंजय मुंडे दोषी साबित होते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई हो, लेकिन अब तक की जांच में कही भी धनंजय मुंडे का नाम सामने नहीं आया है। ऐसे में उनके खिलाफ इतना गुस्सा क्यों है? ओबीसी फेडरेशन के नेता का आरोप है कि धनंजय मुंडे को जबरदस्ती बदनाम करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड निंदनीय है, लेकिन धनंजय मुंडे इस हत्याकांड के दोषी नहीं हैं।

32 साल के खिलाड़ी को पड़ा दिल का दौरा

जालना.

क्रिकेट खेलते या व्यायाम करते समय युवाओं में दिल का दौरा पड़ने की घटनाएं बढ़ रही हैं। अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं. अब भी ऐसी ही घटना जालना जिले में हुई है और इस घटना का वीडियो इस समय वायरल हो रहा है. जालना शहर में आयोजित एक क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलते समय एक बल्लेबाज की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई. वीडियो में दिखाया गया है कि 32 वर्षीय खिलाड़ी मौके पर ही गिर गया और युवा के स्वास्थ्य को लेकर सवाल एक बार फिर सामने आ गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, जालना शहर के फ्रेजर बॉयज मैदान में क्रिसमस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था . इस समय विजय पटेल बल्लेबाजी कर रहे थे. छक्का लगाने के बाद इंटरवल में वह साथी गेंदबाज फालदांज अजय कसबे से बातचीत कर रहे थे। तभी वह जमीन पर गिर पड़ा. इस वक्त दूसरे खिलाड़ी उन्हें देखने के लिए दौड़ते नजर आ रहे हैं.

विजय पटेल के टीम साथी अजय कस्बे ने बताया कि हम दोनों बल्लेबाजी कर रहे थे. पटेल के छक्का मारने के बाद मैं क्रीज पर गया और उन्हें बधाई दी। इसके बाद वह एक बार फिर बल्लेबाजी करने के लिए मुड़ा और मैं नॉन-स्ट्राइक एंड पर चला गया। लेकिन तभी अंपायर ने मुझे बताया कि आपका साथी मैदान पर गिर गया है. मैं भी मुड़कर उसकी ओर दौड़ा. जब हमने उसे अस्पताल में भर्ती कराया तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

अतीत में, दिल का दौरा आमतौर पर जीवन में बाद में होता था; लेकिन अब कम उम्र में भी दिल का दौरा पड़ने की घटनाएं बढ़ गई हैं। भारत में हृदय रोगों का प्रसार 1990 में 25.7 मिलियन था, जो 2023 में 64 मिलियन तक पहुंच गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में हृदय रोग से होने वाली मौतों का पांचवां हिस्सा भारत में होता है, खासकर युवाओं में। बताया गया है कि अमेरिका में दिल का दौरा पड़ने वाले हर पांच में से एक मरीज की उम्र 40 साल से कम है। हालांकि बढ़ते तनाव और बदलती जीवनशैली को हृदय रोग के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, लेकिन अपच जैसी कई अन्य समस्याएं भी दिल के दौरे का कारण बनती हैं।

दिल का दौरा पड़ने के कई कारण होते हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि कई युवा या स्वस्थ लोग नियमित रूप से अपने कोलेस्ट्रॉल या रक्तचाप की जांच नहीं कराते हैं, जिससे खतरा बढ़ जाता है।

गतिहीन जीवनशैली, बढ़ता मोटापा और जीवन में बढ़ता तनाव युवाओं में दिल के दौरे के अतिरिक्त कारण हो सकते हैं। फास्ट फूड, अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और शर्करा युक्त पेय भी इस समस्या में योगदान करते हैं।

भुजबल मंत्री न बनाए जाने को लेकर पार्टी से नाराज

मुंबई.

राज्य एनसीपी अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल पार्टी से मंत्री न बनाए जाने को लेकर नाराज है। इस बीच उनके बीजेपी में शामिल होने की चर्चा तेज हो गई है। इस बीच ई.जी.एस. मंत्री एवं शिवसेना नेता भरत गोगावले ने बड़ा बयान दे दिया है। भरत गोगावले ने कहा है कि छगन भुजबल को मंत्रिमंडल से बाहर रखना महायुति का नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का अंदरूनी फैसला है।

ई.जी.एस. मंत्री एवं शिवसेना नेता भरत गोगावले के अनुसार शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की तरह ही एनसीपी ने भी अपनी पार्टी से उनके मंत्रियों के

चयन पर फैसला किया था। इस बारे में उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "इस मुद्दे पर अब कोई और टिप्पणी नहीं कर सकता। भुजबल को मंत्रिपरिषद से बाहर रखना एनसीपी का मामला था, महायुति गठबंधन का नहीं। हाल ही में एनसीपी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी। इसके बाद से ही उनकी मुलाकात को लेकर छगन भुजबल के बीजेपी में शामिल होने की खबरें आने लगी थी। इस मामले पर एनसीपी के बड़े नेता और मंत्री नरहरि झिरवाल ने बात साफ कर दी और कहा था कि छगन भुजबल बीजेपी में शामिल नहीं होंगे। वह अजित दादा के साथ ही रहेंगे। मंत्री नरहरि झिरवाल ने बताया था कि उन्होंने भी छगन भुजबल के साथ मुलाकात की थी और खुलासा किया था कि वे मंत्री नहीं बनाए जाने को लेकर पार्टी से नाराज हैं।

छगन भुजबल ने एनसीपी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर बीजेपी नीत सरकार के विस्तारित मंत्रिमंडल में उन्हें शामिल नहीं करने का आरोप लगाया। हालांकि, एनसीपी नेता ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने छगन भुजबल को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल करने का समर्थन किया था। उन्होंने खुलासा किया कि एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार पार्टी के लिए निर्णय लेते है और वे वैसे ही निर्णय लेते हैं जैसे बीजेपी के लिए देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना के लिए एकनाथ शिंदे लेते हैं। इसके अलावा छगन भुजबल ने कहा था, "जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना।" इसी के बाद से ही उनके छगन भुजबल के एनसीपी छोड़ने की अटकलें सामने आ रही हैं। छगन भुजबल राज्य के बड़े नेता है और वे ओबीसी समुदाय से ताल्लुक रखते है। ऐसे में उन्हें जब कैबिनेट में जगह नहीं मिली तो उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए काम करने के बाद भी कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से वे निराश नहीं है बल्कि अपमानित महसूस कर रहे है।

बुजुर्ग से ऑनलाइन ठगी

> दोनों संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज

रत्नागिरी. मामला सामने आया है कि रत्नागिरी शहर के पास नाचने के एक बुजुर्ग व्यक्ति से दो संदिग्धों ने 61 लाख 19 हजार 80 रुपये की ऑनलाइन ठगी की है. दोनों ने खुद को संचार विभाग के साथ ही पुलिस अधिकारी बताकर ऑनलाइन ठगी की। घटना शनिवार 31 दिसंबर सुबह 10 बजे से शुक्रवार 27 दिसंबर 2024 दोपहर 12 बजे के बीच की बताई जा रही है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, साईं छाया सदन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नचने, रत्नागिरी के साईं प्रसाद पुरूषोत्तम गावड़े (उम्र 65) ने शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। तदनुसार, एक संदिग्ध ने अभियोजक को फोन किया और कहा कि वह संचार मंत्रालय से बोल रहा है। अभियोजकों को यह भी डर है कि आपका सिम कार्ड ब्लॉक कर दिया जाएगा। इसके बाद दूसरे संदिग्ध ने पुलिस को शिकायत के लिए कॉल फॉरवर्ड करने का नाटक करते हुए 21 दिसंबर से 27 दिसंबर के बीच वादी से व्हाट्सएप के जरिए संपर्क किया और कहा कि वह हेमराज कोली नाम का पुलिस अधिकारी है. इसके बाद दोनों संदिग्धों ने मिलीभगत कर वादी से रुपये निकाल कर ऑनलाइन ठगी कर ली. इस मामले में संदिग्धों के खिलाफ भारतीय न्यायिक संहिता अधिनियम, 2023 की धारा 318, (4), 319 (2), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 (सी), 66 (डी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आतंकवादी इन्हें देते हैं वोट

>नितेश राणे ने कांग्रेस पर साधा निशाना

पुणे: महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे में हाल ही में एक विवादित टिप्पणी दी है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस के प्रमुख नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी को निशाना बनाया है। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने एक विवादित टिप्पणी में केरल की तुलना "मिनी पाकिस्तान" से की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी ठीक इसी कारण से संसद सदस्य चुने गए हैं। नितेश राणे ने पुणे जिले के पुरंदर तालुका में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा,"केरल मिनी

पाकिस्तान है, इसलिए राहुल गांधी और उनकी बहन वहां से चुने जाते हैं। सभी आतंकवादी उन्हें वोट देते हैं। यह सच है, आप पूछ सकते हैं। वे आतंकवादियों को अपने साथ लेकर सांसद बने हैं।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे के बेटे राणे शिव प्रताप दिवस के अवसर पर एक समारोह में बोल रहे थे, जो एक ऐतिहासिक घटना की वर्षगांठ है जब छत्रपति शिवाजी महाराज ने अफजल खान को मार डाला था नितेश राणे हाल ही में संपन्न 2024 महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव कंकावली सीट से जीते हैं। नए मंत्रिमंडल में राणे को मत्स्य पालन और बंदरगाह मंत्रालय दिया गया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंधे पाटिल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा और राणे के मंत्रिमंडल में बने रहने की जरूरत पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राणे का काम यही करना था। नितेश राणे से और क्या उम्मीद की जा सकती है? उन्हें यही करने के लिए चुना गया है। हालांकि, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देवेंद्र फडणवीस से पूछना चाहता हूं। जिस व्यक्ति (राणे) ने मंत्री पद की शपथ ली है, उसने भारत की संप्रभुता और एकता को बनाए रखने की शपथ ली है।

बीजेपी के लिए रास्ता साफ करेगी आरएसएस

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने बड़ी जीत हासिल की जिसकी किसी को भी उम्मीद नहीं थी। बीजेपी की इस बड़ी जीत में सबसे बड़ा हाथ आरएसएस का माना जाता है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद अब आरएसएस फिर एक बार स्थानीय निकाय चुनाव के लिए अपनी कमर कस रही है। विधानसभा चुनाव की तरह अब आरएसएस स्थानीय निकाय चुनाव में भी बीजेपी को जीताने के लिए बड़ी भूमिका निभाने को तैयार हो रही है। क्योंकि स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर बीजेपी के साथ ही आरएसएस की बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है।

देखा जाए तो बीजेपी में ये क्षमता

है कि वे स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ सकती है। हालांकि, बीजेपी ने विधानसभा का चुनाव महायुति गठबंधन में एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। ऐसी स्थिति में महाविकास अघाड़ी भी चुनाव की बड़ी तैयारी कर रहा है। देखा जाए तो महाविकास अघाड़ी में शामिल पार्टियों का स्थानीय निकाय चुनाव में बड़ा प्रभुत्व है। इसलिए महाविकास अघाड़ी में शामिल एनसीपी शरद पवार गुट, शिवसेना यूबीटी गुट और कांग्रेस तीनों ही पार्टियां अकेले चुनाव लड़ने के लिए चर्चाएं कर रही है और अकेले चुनाव लड़ना चाहती है।

बीएमसी पर 25 वर्षों से अविभाजित शिवसेना का कब्जा रहा है। शिवसेना के विभाजन के बाद अब पहली बार बीएमसी के चुनाव होने जा रहे है इसलिए ये देखना दिलचस्प होगा कि किसका पलड़ा भारी होता है और किसकी नैय्या डूबती है। क्योंकि अब तक पार्टी इसलिए जीत पा रही थी क्योंकि वह विभाजित नहीं थी लेकिन अब विभाजन के बाद जनता के भी वोट बटने की ज्यादा उम्मीदें है।

लोकतंत्र दिवस का आयोजन होगा बंद

> शिकायतकर्ताओं की अभद्रता से म्हाडा परेशान

मुंबई.

म्हाडा के लोकतंत्र दिवस की पहल आम नागरिकों के लिए शिकायतों के निवारण का एक मंच बन गई है। आम नागरिकों की शिकायतों के ऑन द स्पॉट निवारण के मकसद से शुरू की गई लोकतंत्र दिवस की सराहनीय परंपरा निकट भविष्य में बंद हो सकती है। शिकायतकर्ताओं का अभद्र व्यवहार साल भर चलने वाली इस पहल के बंद होने की प्रमुख वजह बन सकती है। म्हाडा के आला अधिकारी इस बारे में गंभीरता पूर्वक विचार कर रहे हैं।

म्हाडा को आम आदमी के घर के सपने को पूरा करने वाली संस्था के रूप में देखा जाता है। इसलिए, नागरिकों को घर से संबंधित समस्याओं का तुरंत समाधान करने के लिए, म्हाडा कार्यालय के बार-बार चक्कर लगाने से बचने के लिए उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव जायसवाल के मार्गदर्शन में बीजे जनवरी महीने से लोकतंत्र दिवस कार्यक्रम के आयोजन की परंपरा शुरू की गई है।

बताया जा रहा है कि हर महीने आयोजित होने वाले म्हाडा के लोकतंत्र दिवस के मौके पर आने वाले कुछ शिकायतकर्ता अधिकारियों से बदतमीजी करते हैं। इससे अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता लगातार बढ़ रही है। लोकतंत्र दिवस जैसे कार्यक्रमों के जरिए जनता से सीधे रूबरू हुआ जाए या नहीं, इस बारे में म्हाडा के अधिकारी अब समीक्षा कर रहे हैं।

म्हाडा कार्यालय में कई लोग अपनी घरेलू समस्याओं को लेकर आते हैं। म्हाडा की ओर से उनके उचित मार्गदर्शन और समस्याओं के समाधान का भी प्रयास किया जाता है। संजीव जयसवाल व्यक्तिगत रूप से कई मामलों को देखते हैं और समाधान का प्रयास करते हैं। इसलिए म्हाडा के अधिकारी और कर्मचारी यह अपेक्षा व्यक्त कर रहे हैं कि नागरिक अपनी समस्याओं और शिकायतों को शांतिपूर्वक और मुद्दे पर रखते समय धैर्य रखें।

दशकों से लंबित मामलों का हुआ निपटारा

गौरतलब है कि बीते करीब एक साल में म्हाडा 7 लोकतंत्र दिवस कार्यक्रम आयोजित कर चुका हैं। इस दौरान आए कुल 81 मामलों में से 76 मामलों का निपटारा कर संबंधितों को राहत दी जा चुकी है। इसमें कई मामले तो दो-तीन दशकों से लंबित थे। नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के बावजूद कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों के साथ कुछ शरारती तत्व अभद्रता करते हैं। इससे संबंधित अधिकारियों का मनोबल गिर रहा है।

लड़कियों ने घर छोड़ा, पैसे चुराए, की फर्जी किडनैपिंग

>कोरियाई बैंड के चक्कर में हुई पागल

मुंबई.फैंस अपने पसंदीदा सिंगर और एक्टर से मिलने के लिए कई बार सारी हदें पार कर देते हैं. नया मामला महाराष्ट्र से सामने आया है, जहां तीन लड़कियों ने कोरिया के बीटीएस बैंड से मिलने के लिए अपनी ही किडनैपिंग की साजिश रची. बीटीएस बैंड की कई लड़कियां दीवानी हैं और उन्हें खूब पसंद करती हैं.राज्य ये तीनों लड़कियां भी बीटीएस बैंड की बहुत बड़ी फैन हैं.ये फिल्मी मामला महाराष्ट्र के धाराशिव के उमरगा तालुका के नीलू नगर टांडा का है, जहां इन तीनों लड़कियां ने अपने अपहरण की साजिश रची, लेकिन तीनों की ये साजिश नाकाम रही. क्योंकि पुलिस ने महज 30 मिनट में उनकी साजिश का खुलासा कर दिया. इसके बाद पुलिस ने तीनों को हिरासत में लिया और उनके माता-पिता को सौंप दिया. उन्होंने बीटीएस बैंड में शामिल होने के लिए ऐसा किया.

तीनों लड़कियां उमरगा से पुणे गई. वहां पहुंचकर सोलापुर के मोहोल से अपने पिता को फोन किया और बताया कि उनका अपहरण कर लिया गया है. इसके बाद पुलिस ने मोबाइल फोन की लोकेशन निकाली और लड़कियों तक पहुंच गई. पुलिस ने सोलापुर में लड़कियों को हिरासत में लिया और उन्हें उनके माता-पिता को सौंप दिया. उन्होंने बताया है कि लड़कियों ने कोरिया जाने के लिए अपने ही घर से 5 हजार रुपये भी चुराए थे.

आज का राशिफल

मेष - आज आपको अपने सभी कामों को सोच समझ कर ही करना होगा, नहीं तो समस्या हो सकती है। आपके बॉस आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं.

वृषभ - आज का दिन आपके लिए आय के सोर्स को बढ़ाने वाला रहेगा। आपकी आय बढ़ने से समस्याएं कम होंगी। विद्यार्थियों का पढ़ाई लिखाई से ध्यान भटक सकता है।

मिथुन - आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने माता-पिता की बातों को इग्नोर नहीं करना है, नहीं तो उन्हें आपकी बात बुरी लग सकती है.

कर्क - आज का दिन आपके लिए वाणी की कोमलता को बनाए रखने के लिए रहेगा। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

सिंह - आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको समय का सदुपयोग करना होगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

कन्या - आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए रहेगा। आपको किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है।

तुला. आज का दिन आपके धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। धन को लेकर आपको ज्यादा मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है.

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी की कही सुनी बातों में न आएं.

धनु - आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

मकर - आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से खटपट होने की संभावना है।

कुंभ - आज का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है। बिजनेस में किसी योजना पर विराम लग सकता है, जो आपकी टेंशन को बढ़ाएगी।

मीन - आज का दिन आपके लिए किसी उलझनों से दूर रहने के लिए रहेगा, इसलिए आप कोई बात बहुत ही सोच समझ कर बोले.

10 साल के लड़के ने की आत्महत्या

मुंबई. मलाड पश्चिम के मालवणी स्थित एक धार्मिक शिक्षण संस्थान में शनिवार रात 10 साल के एक लड़के ने आत्महत्या कर ली. मालवणी पुलिस ने बताया कि कारण स्पष्ट नहीं है. इस मामले में किसी दुर्घटना की आशंका नहीं है और मालवणी पुलिस ने आकस्मिक मौत दर्ज की है.मृतक बच्चे का परिवार मालवणी इलाके में रहता है. लड़का धार्मिक शिक्षा के लिए एक मदरसे में रहता था। साथ ही छुट्टियों में परिवार के साथ घर पर ही रहते थे। इस मामले में पुलिस को परिजनों से ज्यादा कोई जानकारी नहीं मिली. शनिवार की सुबह, लड़के के माता-पिता उसे हमेशा की तरह मदरसे में छोड़ गए।

जाहीर सूचना

गट ग्राम पंचायत कार्यालय वेळा (हरिश्चंद्र) कडून सूचित करण्यात येते की अर्जदार श्री लिलाधर नामदेवराव गोखले यांचा अर्ज व सादर केलेल्या दस्ताऐवजनुसार मौजा गोटाळ पांजरी येथील खसरा क्र. ५१/२ या जमिनीवर संस्थेने टाकलेल्या ले आउट मधील प्लॉट नं. ११५ व ११६ चे एकुण क्षेत्रफळ २८२४ चौ. फुट (२६२.५० मीटर) आहे. ग्रा.प. रेकॉर्ड ला सदर प्लॉट ११५ व ११६ हे सौ.मंदाबाई लिलाधर गोखले यांच्या नावाने आहे. अर्जानुसार व सोबत जोडलेल्या मृत्यू प्रमाणपत्रानुसार मंदा लिलाधर गोखले यांचा दि ०५/०४/२०२४ रोजी मृत्यु झाला आहे असे मृत्यू प्रमाणपत्रानुसार दिसून येते. करिता सदर प्लॉट वरील मृतकाचे नाव खारीज करून खालीलप्रमाणे वारसानाचे नाव चढविण्याबाबत ग्रा.पं. ला प्रतिज्ञापत्र प्राप्त झालेले आहे.
१) श्री लिलाधर नामदेवराव गोखले मृतकाचे पती वय ६६ वर्ष, २) सौ प्रियंका अश्विन पराते मृतकाची मुलगी वय ३४ वर्ष, ३) सौ. कोमल वैभव डेकाटे मृतकाची मुलगी वय ३२ वर्ष, ४) जितेंद्र लिलाधर गोखले मृतकाचा मुलगा वय ३० वर्ष करिता यावर जर कुणाचे आक्षेप असेल किंवा याव्यतिरिक्त इतर कोणी वारसान असेल तर त्यांनी १५ दिवसाच्या आत ग्रा. पं. कार्यालय वेळा (हरिश्चंद्र) येथे लेखी स्वरुपात सर्व दस्ताऐवज सहित अर्ज करावा, यानंतर आलेल्या अर्जाचा विचार केल्या जाणार नाही व वारसानाची नोंद घेण्यात येईल. करिता दि. ३०/१२/२०२४ रोजी जाहीरनामा प्रसिद्ध करण्यात येत आहे.
स्थळ : प्रा. पं. वेळा (हरिश्चंद्र)
दि. ३०/१२/२०२४

सरपंच सचिव
गट ग्राम पंचायत वेळा (हरिश्चंद्र)
९६७३६१६०४७/९६७३९४७७५९

कोर्ट विद्य. श्रीमती अपेक्षा रैच, नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी नागपूर (श.) यांचे कोर्ट, तहसिलदार, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, सिव्हील लाईन, नागपूर पिनकोड- ४४०००१
ई-मेल आयडी: www.tahsildarngpcity@gmail.com दुरध्वनी क्र. ०७१२-२५६११७५
क्र.प्रस्तु-३/नाय.तह./तह.नाग.(श.)/प्र.क्र. १५५/कावि-९०८/२०२४
दिनांक २३/१२/२०२४

वाचा : १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, **४)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि ५३५/, दि. १५/१०/२०२४, **५)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्र. अका/डी-१/ जन्म-मृत्यु आदेश/कावि- १५८/२०२४ दि. ११/०५/ २०२४, **६) अर्जदार इनाम उर रहिम सिद्दिकी मुमताज उर रहिम सिद्दिकी,** राह. प्लॉट नं. ४५, अवस्ती आटा चक्की जवळ, गोरले लेआऊट, अवस्ती नगर पोलीस लाईन टाकळी, काटोल रोड, नागपूर यांचे अर्ज दिनांक ०८/१०/२०२४.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **इनाम उर रहिम सिद्दिकी मुमताज उर रहिम सिद्दिकी,** राह. प्लॉट नं. ४५, अवस्ती आटा चक्की जवळ, गोरले लेआऊट, अवस्ती नगर पोलीस लाईन टाकळी, काटोल रोड, नागपूर यांनी **जन्माची** नोंद **महानगर पालिका** दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू अर्जदार यांनी स्वत:चा **इनाम उर रहिम मुमताज उर रहिम** जन्म दिनांक २७/०६/१९५६ रोजी घरी गोरले लेआऊट अवस्ती नगर, नागपूर येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर (शहर) उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २ नुसार व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते कि, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृहचौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर शहर यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसाच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का **(श्रीमती अपेक्षा रैच) कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर)**
Prasanna Publicity 09326927622

कोर्ट विद्य. श्रीमती अपेक्षा रैच, नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी नागपूर (श.) यांचे कोर्ट, तहसिलदार, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, सिव्हील लाईन, नागपूर पिनकोड- ४४०००१
ई-मेल आयडी: www.tahsildarngpcity@gmail.com दुरध्वनी क्र. ०७१२-२५६११७५
क्र.प्रस्तु-३/नाय.तह./तह.नाग.(श.)/प्र.क्र. १६७/कावि-९२७/२०२४
दिनांक /१२/२०२४

वाचा : १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक [illegible]

शिक्का **(श्रीमती अपेक्षा रैच) कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर)**
Prasanna Publicity 09326927622

कोर्ट विद्य. श्रीमती अपेक्षा रैच, नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी नागपूर (श.) यांचे कोर्ट, तहसिलदार, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, सिव्हील लाईन, नागपूर पिनकोड- ४४०००१
ई-मेल आयडी: www.tahsildarngpcity@gmail.com दुरध्वनी क्र. ०७१२-२५६११७५
क्र.प्रस्तु-२/नाय.तह./तह.नाग.(श.)/प्र.क्र. १७०/कावि-९१३/२०२४
दिनांक २३/१२/२०२४

वाचा : १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक [illegible]

शिक्का **(श्रीमती अपेक्षा रैच) कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर)**
Prasanna Publicity 09326927622

कोर्ट विद्य. श्रीमती अपेक्षा रैच, नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी नागपूर (श.) यांचे कोर्ट, तहसिलदार, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, सिव्हील लाईन, नागपूर पिनकोड- ४४०००१
ई-मेल आयडी: www.tahsildarngpcity@gmail.com दुरध्वनी क्र. ०७१२-२५६११७५
क्र.प्रस्तु-३/नाय.तह./तह.नाग.(श.)/प्र.क्र. १५६/कावि-९११/२०२४
दिनांक २३/१२/२०२४

वाचा : १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक [illegible]

शिक्का **(श्रीमती अपेक्षा रैच) कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर)**
Prasanna Publicity 09326927622

सुविचार

यदि कड़ी मेहनत आपका हथियार है
तो सफलता आपकी गुलाम हो जायेगी

संपादकीय

हादसों पर सवाल

❒ साल के आखिरी दिनों में हुई दो भीषण विमान दुर्घटनाओं के कारण जहां दुनिया भर में शोक की लहर है, वहीं इस वजह से हवाई यात्रा की सुरक्षा से जुड़े सवाल भी केंद्र में आ गए हैं। कजाकिस्तान में बुधवार को लैंडिंग करते हुए अजरबैजान के विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 38 लोगों की मौत हुई तो रविवार को दक्षिण कोरिया में हुए हादसे में 179 लोगों के मारे जाने की खबर है। साउथ कोरिया के मुआन में हुए हादसे में जिस तरह से लैंडिंग का प्रयास करते हुए विमान कुछ सेकंड के अंदर ही लपटों से घिरा नजर आया, वह किसी का भी दिल दहला सकता है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, लैंडिंग से कुछ ही पहले विमान के पिछले हिस्से से एक पक्षी टकराया था। कहा जा रहा है कि शायद इसी वजह से लैंडिंग गियर में खराबी आ गई। लेकिन कई जानकार इससे सहमत नहीं हैं। संभव है कि हादसे की जांच से कुछ और तथ्य सामने आने के बाद इस पहलू पर और रोशनी पड़े। इस बीच अजरबैजान विमान हादसे को लेकर हो रहे अलग-अलग दावों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन की माफी ने सस्पेंस को पूरी तरह खत्म किए बगैर संदेहों को और गहरा कर दिया है। पूतिन ने अपने माफीनामे में यह तो कहा कि जब वह विमान कजाकिस्तान में लैंड कर रहा था तब यूक्रेनी ड्रोन हमलों के मद्देनजर रूसी डिफेंस सिस्टम एक्टिव था, पर यह स्वीकार नहीं किया कि वह विमान इसी सिस्टम का टारगेट बना। विमान किसी तकनीकी गड़बड़ी का शिकार हुआ या गलती से चली किसी मिसाइल का, सच तो यही है कि इसमें सवार यात्रियों को जान गंवानी पड़ी। एविएशन इंडस्ट्री की ज्यादा चिंता स्वाभाविक ही साउथ कोरियाई विमान हादसे को लेकर है क्योंकि उसे यात्रियों की बढ़ती आशंकाओं का सामना करना है। हालांकि हवाई दुर्घटनाओं के मामले में साउथ कोरिया का रेकॉर्ड अच्छा माना जाता रहा है। यह पिछले एक दशक में हुई साउथ कोरियन एयरलाइन की पहली बड़ी दुर्घटना है। पिछली दुर्घटना 2013 में हुई थी जब एशियाना एयरलाइंस की एक फ्लाइट सैन फ्रांसिस्को में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। उसमें तीन लोग मारे गए थे।

मृगांक शेखर

केजरीवाल का चुनाव चुनौतियां में फंसा

❍ चुनावी वादों की फेहरिस्त में अरविंद केजरीवाल की तरफ से एक और घोषणा हुई है. नई योजना हिंदुओं के साथ साथ अरविंद केजरीवाल के सिखों के भी वोट लेने की कोशिश लगती है - ये स्कीम है, पुजारी और ग्रंथी सम्मान योजना. पुजारी और ग्रंथी सम्मान योजना के तहत दिल्ली के मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को हर महीने सम्मान राशि देने का वादा किया गया है. योजना के तहत हर महीने मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18,000 रुपये दिये जाएंगे, बशर्ते आम आदमी पार्टी सत्ता में वापसी करने में सफल रहती है. स्कीम की जानकारी देते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, पुजारी हमारे सुख-दुख में काम आता है. शादी हो, बच्चे का बर्थडे हो, कोई भी खुशी का मौका हो, या फिर किसी की मौत हो जाये, वो हर वक्त हमारे साथ रहता है. लेकिन, दुर्भाग्य है कि आज तक किसी ने उनकी तरफ ध्यान नहीं दिया. देश में ऐसा पहली बार हो रहा है. अरविंद केजरीवाल के मुताबिक नई योजना के लिए 31 दिसंबर से रजिस्ट्रेशन शुरू होगा. और, महिला सम्मान योजना की ही तरह रजिस्ट्रेशन के लिए अरविंद केजरीवाल खुद लोगों के बीच जाएंगे. महिला सम्मान और संजीवनी योजना को लेकर हुए बवाल के बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी को आगाह किया है कि वो आम आदमी पार्टी की चुनावी योजनाओं में बाधा बनने से बाज आये - वरना पाप लगेगा. अरविंद केजरीवाल कहते हैं, मैं कल कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर जाकर पुजारियों का रजिस्ट्रेशन करूंगा. मैं बीजेपी से अनुरोध करता हूं कि पुजारियों, और ग्रंथियों के रजिस्ट्रेशन में बाधा उत्पन्न नहीं करेंगे. रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को नहीं रोकें. अगर बीजेपी ने इस योजना को रोकने की कोशिश की तो उन्हें पाप लगेगा.असल में, दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने महिला सम्मान योजना के रजिस्ट्रेशन के नाम पर निजी जानकारियां जुटाने के आरोपों की जांच का आदेश दे दिया है - और जांच का जिम्मा दिल्ली पुलिस को मिला है.आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर रजिस्ट्रेशन जरूर करा रहे हैं, लेकिन लगाये गये कैंप सुनसान दिखाई दे रहे हैं. उत्तम नगर के ऐसे ही एक शिविर स्थल पर महिला सम्मान योजना का बोर्ड सड़क पर रखा तो दिखा, लेकिन कुर्सी-टेबल खाली पड़े थे.

अरविंद केजरीवाल भले ही बीजेपी नेताओं को पाप लगने का श्राप दे रहे हों, लेकिन 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' से जुड़ी शिकायत तो कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने की है. उप राज्यपाल ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर से जांच कर ये पता लगाने को कहा है कि क्या कोई 'अनधिकृत व्यक्ति' दिल्ली की महिलाओं से मिलकर सम्मान योजना के लिए फॉर्म भरवा रहा है? बड़ा सवाल ये है कि ये 'अनधिकृत व्यक्ति' कौन हो सकते हैं? दिल्ली सरकार के अफसरों की तरफ से अखबारों में दिये गये विज्ञापन के हिसाब से देखें तो योजना के लिए अधिकृत व्यक्ति तो कोई हो ही नहीं सकता, क्योंकि योजना को लेकर कोई नोटिफिकेशन तो जारी नहीं हुआ है. जांच के आदेश पर अरविंद केजरीवाल कहते हैं, 'बीजेपी महिला सम्मान. और संजीवनी योजनाओं से परेशान है, क्योंकि वो दिल्ली चुनाव हार रही है. महिला सम्मान कार्ड, संजीवनी योजना के लिए लाखों लोग रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं.' अरविंद केजरीवाल दावा करते हैं, कई भाजपा नेताओं ने मुझे फोन करके कहा है, हमारे लिए चुनाव खत्म हो गया है. उसके बाद उन्होंने पंजीकरण शिविरों पर उत्पात मचाना शुरू किया है. योजनाओं के लिए लोगों का रजिस्ट्रेशन रोकने के लिए वे हमारे शिविरों में गुंडे भेज रहे हैं. पंजीकरण प्रक्रिया को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस को कैंपों में भेजा जा रहा है.

आलेख

संजय द्विवेदी

सामना, शहादत और मातम!

❒ पाकिस्तान के जन्म की कथा, उसकी राजनीति की व्यथा और वहां की सेना की मनोदशा को जानकर भी जो लोग उसके साथ अच्छे रिश्तों की प्रतीक्षा में हैं, उन्हें दुआ कि उनके स्वप्न पूरे हों। हमें पाकिस्तान से दोस्ती का हाथ बढ़ाते समय सिर्फ इस्लामी आतंकवाद की वैश्विक धारा का ही विचार नहीं करना चाहिए बल्कि यह भी सोचना चाहिए कि आखिर यह देश किस अवधारणा पर बना और अब तक कायम है? पाकिस्तान सेना का कलेजा अपने मासूम बच्चों के जनाजों को कंधा देते हुए नहीं कांपा (पेशावर काण्ड) तो पड़ोसी मुल्क के नागरिकों और सैनिकों की मौत उनके लिए क्या मायने रखती है।

द्विराष्ट्रवाद की अवधारणा की मोटी समझ रखने वालों को यह पता है कि पाकिस्तान की एकता आज सिर्फ भारत घृणा पर ही टिकी हुयी है। भारत विरोध वहां की राजनीति का एक एजेंडा और कश्मीर उसका लक्ष्य है। शायद पाकिस्तान के बगल में भारत न होता तो पाकिस्तान कबके कई टुकड़ों में विभक्त हो गया होता। दो टुकड़े तो उसके काफी पहले हो चुके हैं। वह अपनी ही प्रेतछाया से लड़ता हुआ देश है। इस जमीन पर शायद इकलौता देश जो अपने पुराने देश से लड़ रहा है, जिससे वह जिद करके अलग हुआ था।

सीधे युद्ध में तीन बार मात खाकर पाकिस्तान ने यह समझ विकसित की अब प्राक्सी वार ही भारत को सताए-पकाए और छकाए रखने का तरीका है। 1947 में देश के बंटवारे के पीछे मंशा तो यही थी कि अब सबको जमीन मिल गयी है, घर के बंटवारे के बाद हम शांति से जी सकेंगे। पर ऐसा कहां हुआ। देश को नरेन्द्र मोदी के रूप में पहली बार एक सशक्त नेतृत्व मिला है, यह कहना और मानना ऐतिहासिक रूप से गलत है। श्री लालबहादुर शास्त्री, श्रीमती इंदिरा गांधी और श्री अटलबिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब हमारा नेतृत्व देता रहा है। किंतु क्या पाकिस्तान इन पराजयों से रत्ती भर सीख सका? आज की तारीख में हमें पाकिस्तान को आइसोलेट करना पड़ेगा। पाकिस्तान से निरंतर संवाद की जिदें भी उसे शक्ति देती हैं, और वह एक नए हमले की तैयारी कर लेता है। ऐसे खतरनाक और आतंकवादियों के पनाहगाह देश को अलग-थलग करके ही हम सुख- चैन से रह सकते हैं। अमन की आशा एक सपना है जो पाकिस्तान जैसे कुंठित राष्ट्र के साथ संभव नहीं है। आप देखें तो संवाद की ये कोशिशें नई नहीं है। शायद हमारे हर प्रधानमंत्री ने ऐसी कोशिशें की हैं, लेकिन सफलता उन्हें नहीं मिली। बाघा सीमा पर हम कितने सालों से मोमबत्तियां जलाने से लेकर मिठाईयों का आदान-प्रदान और पैर पटकने की कवायद कर रहे हैं। यह सब देखने-सुनने और एक इवेंट के लिहाज से बहुत अच्छा है किंतु इससे हमें हासिल क्या हुआ? इस्लामिक देशों का एक पूरा संगठन बना हुआ है, जिसमें मिडिल ईस्ट के देशों के साथ मिलकर पाकिस्तान भारत के हितों को नुकसान पहुंचाता है।

हिंदुस्तान के कुछ लीडरों ने हालात ऐसे कर दिए हैं कि आप बहस भी नहीं कर सकते। जो देश अपने सुरक्षा सवालों पर भी संवाद से डरता हो कि मुसलमान नाराज हो जाएंगे, उसे कोई नहीं बचा सकता। आखिर हिंदुस्तान का मुसलमान पहले हिंदुस्तानी है या मुसलमान? अगर हमें सुरक्षित रहना है, एक रहना है तो हम सबको मानना होगा कि हम पहले हिंदुस्तानी हैं, बाद में कुछ और। कोई भी पंथ अगर राष्ट्र से बड़ा होगा तो राष्ट्र एक नहीं रह सकता। इतने हमलों और इतना खून बहाने के बाद भी यह एक वाक्य का सबक हम नहीं सीख पा रहे हैं। जिस तरह की घुसपैठ व घटनाएं हो रही हैं, वे बताती हैं कि हम एक लापरवाह देश हैं। पाकिस्तानी रेंजर्स और पाक सेना तो घुसपैठियों के पीछे हैं हीं, हमारे अपने देश में भी सीमा सुरक्षा के काम में लगे लोग और देश के भीतर पाकिस्तानी इरादों के मददगार भी इसमें एक बड़ा कारण है। एक बिकाऊ हिंदुस्तानी कैसे अपनी मातृभूमि की रक्षा कर सकता है?

धर्म का मर्म समझो

❒ *हम सभी लोग अपने आपको धार्मिक कहलाना पसंद जरूर करते हैं, मगर अपनी आत्मा से ही कभी कभार पूछ लिया करें कि हम कितने धार्मिक हैं तो हमारी कलई अपने आप खुल जाएगी।धर्म-कर्म के नाम पर हम जो कुछ करते हैं उसका अधिकांश हिस्सा भगवान को रिझाने या दिखाने के लिए कभी नहीं होता बल्कि लोक दिखाऊ संस्कृति का ही हिस्सा माना जा सकता है।हम जो कुछ साधना और धर्म-ध्यान, भजन-पूजन आदि करते हैं वह सब कुछ देवी या देवता के लिए करते हैं मगर प्रायःतर देखा यह गया है कि हम लोगों को देख कर अपने हाथ-होंठ और जीभ चलाते हैं। कोई हमें नहीं देख रहा हो तब हत कुछ भी नहीं करते या कि दूसरे-तीसरे विचारों में खोये रहते हैं अथवा अन्य कामों में मन लगाए रहते हैं।धर्म को हमने उपासना पद्धति ही मान लिया है जबकि धर्म का संबंध जीवनचर्या के व्यापक अनुशासन और वैश्विक सोच की उदारता से भरा है। धर्म हमें वसुधैव कुटुम्बकम्, मातृवत परदारेषु, परद्रव्येषु लोष्ठवत, आत्मवत सर्वभूतेषु के सिद्धान्त को सिखाता है और वह भी केवल जिह्वा तक नहीं बल्कि हृदय के अन्तस्तल तक अपनी भावनाओं का ज्वार उमड़ाता है। वेदव्यास ने केवल एक वाक्य में इसे स्पष्ट किया है - परोपकाराय पुण्याय, पापाय परपीड़िनम्। अर्थात परोपकार करना ही पुण्य है और दूसरों को किसी भी भांति सताना और दुःखी करना पाप है।सच में देखा जाए तो धर्म समष्टि और व्यष्टि तक सभी के लिए धारण करने योग्य मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा का प्रतीक है।कहा भी गया है कि जो धर्म को धारण करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। कोई कितना ही साधन, भजन-पूजन, अनुष्ठान आदि कर ले, यज्ञ-यागादि, धार्मिक समारोहों आदि से लेकर मन्दिरों और मूर्तियों की प्रतिष्ठा में लाखों-करोड़ो रुपयों का दान कर दे, इसका कोई मूल्य नहीं है, यदि यह पैसा पवित्र नहीं है।दुर्भाग्य से आजकल धर्म के नाम पर जो कुछ हो रहा है उसमें अधिकांश पैसा दूषित आ रहा है।और बाबाओं ने भी धर्म के नाम पर गंदे और प्रदूषित पैसे को शुद्ध करने का ऐसा भ्रम बना रखा है कि धर्म और कालेधन, पापधन, दूषित धन सब कुछ एक दूसरे का पर्याय हो गया है। हम सभी लोगों को भ्रम है कि कितनी ही काली कमायी कर लें, रिश्वतखोर बने रहें, भ्रष्टाचार से धन जमा करते रहें, उसका थोड़ा सा अंश धार्मिक कार्यक्रमों, मन्दिरों और पूजा-पाठ या बाबाओं के चरणों में समर्पित कर देने से उनके पाप धुल जाएंगे और अनाचार, अनीति से धनार्जन का पाप समाप्त हो जाएगा यही वजह है कि देश में हर तरफ धर्म के नाम पर गतिविधियों की हमेशा धूम मची रहती है, हर दिन कोई न कोई आयोजन होता रहता है, इसके बावजूद न शांति स्थापित हो पा रही है, न संतोष। प्राकृतिक, दैवीय और मानवीय आपदाओं का ग्राफ निरन्तर बढ़ता ही चला जा रहा है। कहीं भूकंप आ रहे हैं, भूस्खलन हो रहा है, कही बाढ़ सूखा और दूसरी सारी समस्याएं बढ़ती ही चली जा रही हैं। इन सभी का मूल कारण यही है कि धर्म के नाम पर जो कुछ हो रहा है उसमें शुचिता समाप्त हो रही है, प्रदूषित और पाप की कमायी लग रही है। जो कर रहे हैं वे भी, और जो करवा रहे हैं उनका भी धर्म से कोई वास्ता नहीं है बल्कि इन लोगों ने धर्म के नाम पर धंधा ही चला रखा है।यही कारण है कि भगवान भी इन लोगों की उपेक्षा कर रहा है और हम सभी मूर्खों को भी उपेक्षित कर रखा है जिन्हें धर्म के मूल मर्म से कोई सरोकार नहीं है। धर्म सदाचार, मानवीय मूल्यों, आदर्शों और विश्व मंगल के लिए जीने का दूसरा नाम है।असली धर्म वही है जिसे देख, सुन और अनुभव कर हर किसी को प्रसन्नता का अनुभव हो, चाहे वह मनुष्य और, दूसरे कोई से प्राणी या जड़-चेतन जगत ही क्यों न हो। धर्म वह है जिसमें एक गरीब से गरीब इंसान को भी वह सब कुछ करने का अधिकार हो जो राजा या किसी समृद्ध व्यक्ति को हो।धर्म वह छत है जिसके नीचे कोई भेदभाव नहीं है बल्कि पूरी सृष्टि का भरण-पोषण और रक्षण करता है।जहाँ अद्वैत नहीं है, भेद दृष्टि है, दूरियां हैं, एक-दूसरे को मार-काट मचा कर अपनी ओर कर लेने का दुस्साहस भरा काम हो, संख्या बल अभिवृद्धि का ध्येय हो, वह धर्म नहीं है, इसे आसुरी कर्म से अधिक कुछ नहीं कहा जा सकता। हम सभी को चाहिए कि धर्म के मूल मर्म को आत्मसात करें और मानवीय मूल्यों से भरे-पूरे उन विचारों और कर्मों को अपनाएं जहाँ हर कोई एक-दूसरे से प्रसन्नता का अनुभव करे, मनुष्य-मनुष्य और जगत के हर प्राणी के बीच प्रेम, सात्त्विकता और पारस्परिक विकास की भावनाओं से भरा माहौल हो।*

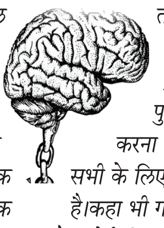

व्यंग्य

पूरन सरमा

गंजे को नाखून

❒ एक बार मैंने भगवान से कहा- 'प्रभो आपने गंजे को नाखून क्यों दिये?' भगवान बोले-'मैंने तो बेटे नाखून सबको ही दिये हैं। गंजे के साथ में पक्षपात क्यों कर करूँ वह भी आदमी ही है. लेकिन तुम यह पूछ क्यों रहे हो ? मैंने कहा-'प्रभो, गंजे ने अपना पूरा माथा खोद लिया है। घावों से लहूलुहान होकर गंजा विकृत हो गया है। तो तुम क्यों फिक्र करते हो। गंजा जाने और उसका काम जाने।' भगवान बोले 'नहीं प्रभो, वह गंजा मेरा दोस्त है, वह साहित्यकार है और मेरा समानधर्मी है।

भगवान न करे उसे कुछ हो जावे परन्तु आपकी कृपा से वह लालबुझक्कड़ अफसर बन गया है.' मैंने कहा देखो वत्स, किसी से ईर्ष्या मत करो। साहित्यकार अफसर बन गया तो तुम्हें क्या? रहा सवाल गंजे का, उसकी टांट और उसके नाखून। यदि वह खुजा-खुजा कर मरना चाहता है तो उसे कुत्ते की मौत मरने दो। परन्तु तुम टिप्पणी मत करो।' भगवान यह कहकर अन्तर्ध्यान हो गये. मुझे भगवान की बात सत्य भी लगी और विचित्र भी। सोच-सोचकर हँसी भी आयी कि अच्छा भला आदमी था साहित्यकार, अफसर क्या बना कि हुलिया ही बिगाड़ लिया। एक बार मेरा उस साहित्यकार मित्र से काम पड़ गया। मैंने उसके पास जाकर कहा-'देखिये साहित्यकारजी, आप अफसर हैं और आपके दफ्तर में मेरा एक मामला अटक गया है-उसे निकलवाइये।' साहित्यकार बोला-'देखो भाई, यह दफ्तर है, इसका काम करने का एक कायदा है।

यदि नियमानुसार फाइल निकलने की होगी तो निकाल दी जायेगी। वरना मैं विवश हूँ। 'मैंने कहा- 'कैसी बहकी- बहकी बातें कर रहे हो मित्र! तुम कल तक मेरे घर घण्टों पड़े रहकर मुझसे साहित्य की ट्रेनिंग लिया करते थे। मित्रता का दंभ भरते थे, आज यह नयी आचार संहिता बना लाये।'साहित्यकार ने गम्भीरता को चेहरे पर और सघन किया और बोला-'देखो, वह बातें अब छोड़ो। गनीमत समझो मैंने तुम्हें दफ्तर में पहचान तो लिया वरना अस्सी प्रतिशत साहित्यकारों को मैंने पहचानने से भी इंकार कर दिया है।' खैर पहचान कर तो आपने मेरे ऊपर मेहरबानी की है। परन्तु मेरा वह काम ऐसा नहीं है जो, नियमों में न आता हो। वह तो सिर्फ तुम्हारा बाबू उसे खामख्वाह दबा रहा है। दरअसल वह कुछ चाहता है रूपया-पैसा और तुम तो शुरू से ही भ्रष्टाचार विरोधी रहे हो। भ्रष्टाचार को लेकर तुमने बड़े-बड़े लेख लिखे हैं तथा स्वच्छ प्रशासन की कामना सदैव तुम्हारे मन में रही है।

इस दृष्टि से मैंने तुमसे कहा है कि तुम दिया तले तो अन्धकार है उसे दूर करो। वरना तुम्हारे अफसर बनने का फायदा क्या है?' मैंने कहा।अफसर साहित्यकार ने बातों को निचोड़कर कहा-'ठीक है मैं देखूँगा, तुम अगले सप्ताह में मिलो।'अगले सप्ताह गया तो अफसर साहित्यकार किसी अखबार में अपनी रचना प्रकाशनार्थ देने चला गया था। मैंने उसके लौटने तक बाबू से ही बात करना उचित समझा। बाबू ने मुझे प्रेक्टिकल बनने की सलाह देकर कहा कि 'उसके अफसर जो कि मेरे मित्र भी हैं, वे इस मामले को निकालने के पाँच सौ माँग रहे हैं, इसलिए भला चाहते हो तो पैसा देकर पिण्ड छुड़ाओ।' मेरा हृदय चीत्कार कर उठा।

मैंने कहा-'ऐसा हो नहीं सकता। बाबू ने कहा-'सर, आजकल जो नहीं होना चाहिए, वही हो रहा है। मैंने कहा-'लेकिन तुम्हारा अफसर मेरा मित्र है, उसकी वह हिम्मत हो नहीं सकती। मित्र तो आप मानते हैं उन्हें। वे आपको एक क्लाइंट मानते हैं और सच तो यह है कि अब वे फटीचर साहित्यकारों के साथ उठना-बैठना भी नहीं चाहते। उनकी नजर में तमाम साहित्यकार गिरे हुए तथा घटिया इंसान हैं।'

बाबू ने साहित्यकार के भीतर का सच खोला। मैंने कहा-'हमारे बीच में ही जाकर वह अपने आपको क्या समझने लगा है? ''वे लेखन अब शौकिया करते हैं सा'ब। अखबार वालों को वे विज्ञापन देते हैं। उनके काम कराते हैं, इसलिए उन्हें आप पा नहीं सकते। वे अब बराबरी के अफसर लोगों के साथ उठते-बैठते हैं। हालांकि उन्हें 'हूँकनी' आती है परन्तु वे मन मारकर चुप रहते हैं। कभी किसी साहित्यिक गोष्ठी-समारोह में जाते भी हैं तो बड़ा ही अटपटा-सा लगाता है उन्हें। किसी से बात नहीं करना चाहते, कटे-कटे से रहते हैं.

संस्मरण

घनश्याम भारतीय

शब्द साधक

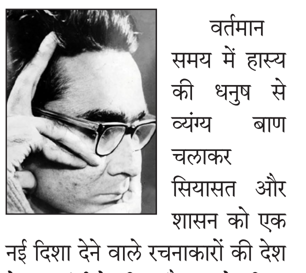

❒ सामाजिक गतिविधियों का प्रतिबिंब दिखाने और उसमें व्यापक परिवर्तन का दम रखने के लिए समाज का दर्पण कहे गए साहित्य की अनेकानेक विधाओं में हास्य व्यंग्य एक प्रमुख विधा है। इसके माध्यम से पाठकों और श्रोताओं के मन को गुदगुदाते हुए उनके दिल में उतर कर व्यवस्था पर की जाने वाली चोट वास्तव में बहुत ही गहरी और परिवर्तन में कारगर सिद्ध होती है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि हिंदी साहित्य की अन्य विधाओं की भांति इसको समझना दुरूह नहीं होता। इसमें अभिव्यक्त भावार्थ को मनोरंजन के साथ बेहद आसानी से समझा व परखा जा सकता है। यूं कहें कि कम पढ़ा लिखा पाठक व श्रोता भी हास्य व्यंग्य की रचना में निहित भावार्थ को बेहद आसानी से समझ लेता है। इसमें दो राय नहीं कि हास्य व्यंग्य की रचना लोक ग्राही होती है।

वर्तमान समय में हास्य की धनुष से व्यंग्य बाण चलाकर सियासत और शासन को एक नई दिशा देने वाले रचनाकारों की देश में एक लंबी फेहरिस्त है। उस फेहरिस्त में कुछ ऐसे नाम है, जिन पर देश की जनता को नाज है। ताराचंद तन्हा उन्हीं में से एक हैं, जिन्होंने अवध के अदब की खुशबू को देशभर में बिखेरा है। यही खुशबू देश की सीमा से परे दुनिया के कई देशों में भी फैल रही है। आज ताराचंद तन्हा किसी परिचय के मोहताज नहीं है,परंतु कम ही लोग जानते होंगे कि गरीबी और मजबूरी के थपेड़ों को झेलते हुए संघर्षों की आग में स्वयं को तपा कर ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। स्थिति यह है कि उनके बगैर कवि सम्मेलनों का मंच अधूरा समझा जाता है।

70 के दशक में उनके पिता लुधियाना की एक फैक्ट्री में काम करते थे और पूरे परिवार के साथ वही रहते थे। जहां 24 अक्टूबर 1969 को ताराचंद का जन्म हुआ। जब वे एक वर्ष के हुए, उनके माता-पिता अपने पैतृक निवास सआदतगंज फैजाबाद आ गए। यहां तन्हा की स्नातक तक की शिक्षा विपरीत और विकट परिस्थितियों में हुई। इस दौरान सामाजिक व राजनीतिक प्रदूषण तथा जीवन संघर्षों ने साहित्य सृजन के रास्ते पर ला खड़ा किया। छात्र जीवन में ही उन्होंने बेहतरीन लेखन शुरू कर दिया। फैजाबाद शहर में होने वाली साहित्यिक गोष्ठियों और नशिश्तो से निकल कर जब उन्होंने उस्ताद शायरों कवियों के संरक्षण में कवि सम्मेलन व मुशायरे के मंच की ओर रुख किया तो तमाम अवरोधों को तोड़ कर शीघ्र ही अपनी एक प्रभावी छवि बना ली। तन्हा के भीतर कुछ नया करने की ललक और सीखने की जिद भी खूब है। एक बार न्योरी मे मुशायरे के मंच पर एक शायर ने उर्दू न जानने पर इन्हें हेय दृष्टि से देखते हुए खिल्ली क्या उड़ाई उन्होंने उर्दू सीखने की ठान ली। छः माह बाद जब उसी शायर को तन्हा ने उर्दू में खत लिखा तो वह दंग रह गया। आगे चलकर एक विषय उर्दू से हाईस्कूल,इंटर और बीए फिर से करके बेसिक शिक्षा परिषद से उर्दू अध्यापक की नौकरी तक हासिल की।इसके पूर्व वे जल निगम में लिपिक थे। जिसे छोड़ कर 2006 में सोनी सब टीवी के वाह वाह कार्यक्रम की प्रस्तुति देने मुम्बई चले गए थे। जहां थोड़े ही समय मे दर्शकों के दिल में बसकर प्रशंसकों की एक लंबी फौज खड़ी की। अवध का संस्कार, हिंदी की समझ और उर्दू की पकड़ से उनका साहित्यिक पहलू काफी मजबूत है। वे आसान शब्दों में गूढ़ बात कहने की भी कूवत रखते हैं। ऐसा नहीं कि अन्य हास्य व्यंग्य कवियों की भांति उनकी रचनाएं सतही हैं अपितु उनकी रचनाएं विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर केंद्रित, काफी ठोस व समाज को नई दिशा देने वाली होती हैं।

फिर वही रास्ता

❒ देखे हुए रास्ते पर चलना कितना तकलीफ़ देह होता है इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। लेकिन अफ़सोस यह है कि लोग नये रास्ते नहीं बनाते, बने बनाये रास्ते पर चलना ज्यादा पंसद करते है। जहां इरानियों का सवाल है, उन्होंने तो आजरबाईजान जाने के दसियों रास्ते बनाये थे लेकिन इतिहास उन रास्तों को बंद करता चला गया और अब सिर्फ एक ही रास्ता बचा है जिससे मैं आया था। मतलब यह है कि वापस ईरान जाने के लिए आस्त्रा आना ही एक मात्रा रास्ता था।

मैंने दसियों लोगों से पूछा कि क्या कोई दूसरा रास्ता, मतलब कोई और बॉर्डर भी है जहां से ईरान में दाखिल हो सकते हैं? लेकिन बताया गया नहीं। बाकू से आस्त्रा तक का सफ़र देखे हुए रास्ते और उस रास्ते को देखना था जिस पर कुछ नहीं है। निर्जीव पहाडियां हैं। तेल के खेत और दूर-दूर फैली इक्का-दुक्का बस्तियां कुछ गावं कस्बे चौराहे और खस्ताहाल सड़क। दोपहर होते-होते सीमा तक पहुंच गया यह वही बॉर्डर है जहां आते समय 'कुछ' मांगा गया था और मैं बडी मुश्किल से जान बचा सका था।

बॉर्डर या कस्टम चौकी पर टैक्सी ने छोड़ा तो कुछ लोग पीछे लग गये, वे अजरी में जाने क्या क्या कह रहे थे। शायद होटल वालों के ऐजेण्ट थे या टैक्सी वाले थे। मैं सबसे पीछा छुड़ाता आगे बढ़ता रहा लेकिन एक जवान लडका बराबर साथ बना रहा। वह अंग्रेजी के कुछ शब्दों के माध्यमों से बातचीत कर रहा था अजनबी देश में देर तक बिना किसी कारण कोई आपके साथ चिपका रहे तो डर पैदा हो जाता है कि क्या चक्कर है। इस लड़के ने बताया कि यह लंच टाइम है। और दो बजे बॉर्डर खुलेगा, वह मुझे चाय पिलाने एक ढाबे किस्म के रेस्त्रा में ले गया। मैं अपना समान, पर्स, पासपोर्ट बगैरा पर बार-बार निगाह डालता था और डर रहा था कि यह लड़का और कुछ लेकर चम्पत हो गया तो मेरे ऊपर कयामत टूट पडेगी। जहां हम बैठे वहां चाय नहीं मिली।

कहानी

राजा देसाई

बेवकूफ

❒ आज सुबह से उसे उदासी का दौरा पड़ा हुआ था। मायूस एक चेहरा लादे वह दफ्तर में कागजों को इधर-उधर करता रहा। कुछ भी करने में मन नहीं लग रहा था। एक तो इतनी गर्मी, बदन पसीने से तर मालूम होता, पर चमड़े पर हाथ रखता तो देखता कि केवल एक फिसलन सी है, पानी तो उड़ता जा रहा था। अजीब सा अकेलापन उसे देर से घेरे हुए था। यह एक ऐसी उदासी थी, जिसमें न तो किसी के साथ बैठने को मन कर रहा था, न ही अकेले पड़े रहने का। किसी तरह समय काटते हुए जब उसे लगा कि शायद खाने का वक्त हो ही गया होगा, वह कमरे से निकल आया और हाल में लटकी दीवाल-घड़ी पर उसने देखा , कि अभी केवल बारह बजे थे। कायदे से उनका लंच- आवर साढे बारह से शुरू होता है, पर वह निकल ही पडा। सड़क पर चलते हुए वह पूरी कोशिश करता रहा कि वह मकानों के बिलकुल करीब से चले, ताकि धूप कम से कम लगे। सूरज सिर के ऊपर था और वह धूप से बच नहीं पा रहा था। गली के मोड से निकल पार करते हुए वह शांति ढाबा की ओर बढ़ा। दूर से ही वंदना वाजपेयी की आवाज उसके कानों तक पहुंच रही थी। उसने कोशिश की कि गीत की कोई कड़ी वह भी गुनगुनाये, पर उसका दिमाग जैसे सुन्न सा था। ढाबे में आकर एक टेबल पर वह बैठा ही था कि उसकी नजर सामने वाले टेबल पर बैठे किसी व्यक्ति की आँखों से टकरायी। वे लाल थीं। आँखों के नीचे काले गड्ढे थे, पर नाक तमतमा रही थी। दो-तीन दिनों से दाढ़ी नहीं बनायी गयी थी और होंठों के बीच दिखते दांत उसकी ओर कठोरता से ताक रहे थे। उसके तीन साथी धड़ाधड खाना जा रहे थे, जैसे किसी खजाने से धन उठाकर मुंह की जेब में डाल रहे हों। पता नहीं वह आदमी क्यों वैसा ही भुक्खड नहीं था। वह आदमी उसकी ओर कठोरता से देखता रहा। फिर धीरे- धीरे उसकी आँखों में शैतानी भरी एक मुस्कान तैर आयी। तभी ढाबे का वेटर मनोहर उसके सामने आ खड़ा हुआ। उसने दाल और सलाद कहा। मनोहर के जाते ही वह उठकर बगल की मेज पर से अखबार उठा लाया। पर अखबार पर नजर डालते ही उसे लगा कि वह कुछ भी पढ़ नहीं पायेगा। आजकल अखबारों में होता ही क्या है सिरदर्द के सिवा?... अगली टेबल वाला वह व्यक्ति चीखकर अपने साथियों से कह रहा था, '' लो बे भुक्खड़ों! मादर**! खा लो सालों - तुम लोग भी क्या कहोगे कि फत्तू ने खिलाया था - जाओ कितना खा सकते हो! अबे ओ छोकरे.

❑ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांक्षा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M)
C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS
NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD,
M.I.S.R (Mum), C.C.H,
C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस,
पी.ओ.डी.

मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, मंगलवार, 31 दिसंबर 2024

नशे में गाड़ी चलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

> नववर्ष के स्वागत की पृष्ठभूमि में जिला पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देश

चंद्रपुर. साल के अंत और 31 दिसंबर 2024 को नए साल के जश्न के दौरान अतिउत्साही युवाओं द्वारा शराब पीकर गाड़ी चलाना और यातायात नियमों का पालन न करना देखा जा रहा है। इस पर अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक मुम्मका सुदर्शन ने ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है.

नए साल का जश्न मनाने के लिए उत्साही युवा शराब पीकर दोपहिया और चारपहिया वाहन तेज गति और लापरवाही से चलाते हैं। साथ ही सड़क पर स्टंट करना या बेहद लापरवाही से गाड़ी चलाना। इससे बड़ी संख्या में गंभीर दुर्घटनाएं और जनहानि होने की संभावना है। ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए 29 दिसंबर से 31 दिसंबर 2024 तक पूरे चंद्रपुर जिले में नाकाबंदी लगाई जाएगी.

शराब पीकर वाहन चलाते पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिले में बढ़ती दुर्घटनाओं को कम करने के लिए यातायात नियंत्रण शाखा चंद्रपुर और जिले के सभी पुलिस स्टेशन शराब पीकर वाहन चलाने वाले, ट्रिपल सीट, रफ ड्राइविंग, स्टंट ड्राइविंग करने वाले ड्राइवरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। एक विशेष अभियान के माध्यम से बड़े पैमाने पर कारवाई के लिए पुलिस बल सतर्क है। इसलिए जिला पुलिस अधीक्षक मुम्मका सुदर्शन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि नए साल का स्वागत करते समय यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें और ध्यान रखें कि कोई दुर्घटना न हो.

सेतु कार्यालय में संविदा कर्मी को न्यूनतम वेतन का भुगतान करें: सांसद धानोरकर

चंद्रपुर. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस को लिखे पत्र के माध्यम से सांसद प्रतिभा धानोरकर ने अनुरोध किया कि, महाराष्ट्र के सभी तहसील कार्यालयों में बहुत से बेरोजगार लोगों को अल्प वेतन पर काम करना पड़ता है, उनकी मांग है कि सरकार उन्हें अनुबंध सेवा में समायोजित करे और न्यूनतम वेतन दे ऐसी मांग प्रतिभा धानोरकर ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस को पत्र लिखकर की।

प्रत्येक तहसील कार्यालय में बेरोजगार युवतियों से कम वेतन पर सेतु का कार्य कराया जा रहा है। सेतु केंद्र के माध्यम से जारी होने वाले प्रमाणपत्र जारी करने की जिम्मेदारी संबंधित कर्मचारी की होती है। हालाँकि, चूँकि इन कर्मचारियों को बहुत कम पारिश्रमिक मिल रहा है, इस संदर्भ में प्रतिभा धानोरकर से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं. प्रतिभा धानोरकर ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को पत्र लिखकर मांग की गई है कि सेतु कार्यालय के कम वेतन पाने वाले कर्मचारियों को सरकारी संविदा सेवा में समायोजित किया जाए और न्यूनतम वेतन दिया जाए। इस संबंध में प्रतिभा धानोरकर ने यह भी कहा कि वह जल्द ही मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस से मुलाकात करेंगे।

गढ़चिरोली नागरी सहकारी पत संस्था को राज्यस्तरीय 'बैंकों ब्लू रिबन अवार्ड'

गढ़चिरोली: बैंको क्रेडिट यूनियन ब्लू रिबन पुरस्कार उन क्रेडिट संस्थानों को दिया जाता है जो सहकारी क्षेत्र की मजबूती को बढ़ावा देते हैं और सहकारी कानूनों और विनियमों के ढांचे को बनाए रखते हुए ईमानदार और निष्पक्ष कार्य करते हैं। गढ़चिरौली नागरी सहकारी पतसंस्था को लगातार तीसरी बार इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। उक्त पुरस्कार 30 जनवरी 2025 को लोनावला में सहकारी क्रेडिट सोसायटी द्वारा आयोजित "बैंको सहकार परिषद 2025" में गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रदान किया जाएगा।

100 करोड़ से 125 करोड़ की जमा राशि वाले राज्य के नागरिक सहकारी ऋण संस्थानों की श्रेणी से इस पुरस्कार के लिए महाराष्ट्र के विभिन्न क्रेडिट संस्थानों ने भाग लिया। महाराष्ट्र सरकार के सहकारिता विभाग के नियमों के अनुसार भाग लेने वाले क्रेडिट संस्थानों के प्रस्तावों का विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति द्वारा प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के बाद दी गई रिपोर्ट के आधार पर क्रेडिट संस्थानों का चयन ब्लू रिबन पुरस्कार के लिए किया जाता है। गढ़चिरौली नागरी सहकारी पतसंस्था को लगातार तीसरी बार "बैंको ब्लू रिबन" पुरस्कार के लिए चुना गया। गढ़चिरौली नागरी सहकारी पतसंस्था के अध्यक्ष अनिल पाटिल म्हशाखेत्री, उपाध्यक्ष सुमति मुनघाटे, मानद सचिव सुलोचनाताई वाघरे, निदेशक पंडित पुडके, प्रो. मधुकर कोटगले, पवन मुनघाटे, दिलीप उरकुडे, शेषराव येलेकर, दिलीप पाटिल खेवले, मुकुंद म्हशाखेत्री, किशोर मडावी, कृष्णा दुधे, कु संध्या खेवले, पांडुरंग चिलबुले, मैनेजर लिंगाजी मोरांडे, भूषण रोहनकर, सभी शाखा प्रबंधकों और कर्मचारियों को बधाई दी गई है।

जिले में इस क्रेडिट संस्था की 9 शाखाएं हैं और इन शाखाओं से जुड़े सभी सदस्यों, ग्राहकों, जमाकर्ताओं, शुभचिंतकों, जमा एजेंटों, शाखा प्रबंधकों, सभी कर्मचारियों और निदेशक मंडल के सभी सदस्यों ने कहा कि यह सफलता इस संस्था के सभी पदाधिकारी और कर्मचारियों के आपसी सहयोग के कारण ही प्राप्त की गई हैं।

विधानसभा चुनाव में जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत को समर्पित: मुनगंटीवार

> कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया

> चुनाव में जीत पर घुग्घुस में भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह

घुग्घुस.

इस साल विधानसभा चुनाव में मैं 26 हजार वोटों से जीतना, मेरी तकदीर है. विधानसभा चुनाव जीतने का यह मेरा सातवां मौका है। पूरे महाराष्ट्र में निर्वाचित 288 विधायकों में से चार विधायक आठ बार निर्वाचित हुए हैं। वहीं तीन विधायक ऐसे हैं जो सात बार जीत चुके हैं. मैं भी उनमें से एक हूं. लेकिन ये सफलता मेरी नहीं मेरे कार्यकर्ताओं की है. यह कार्यकर्ताओं के आशीर्वाद से ही संभव हो सका। कार्यकर्ता ही पार्टी की आत्मा होता है। वे हमसे ज्यादा काम करते हैं इसलिए, हम इस जीत को 'बाजीगर' के रूप में काम करने वाले कार्यकर्ताओं को समर्पित करते हुए खुश हैं, राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक मामलों और मत्स्य पालन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार अपनी जीत कार्यकर्ताओं को समर्पित की.

इस सत्कार समारोह में विधायक सुधीर मुनगंटीवार, विधायक देवराव भोंगले और विधायक किशोर जोरगेवार का भव्य अभिनंदन किया गया. मुनगंटीवार ने सत्कार को जवाब दिया. आठवडी बाजार घुग्घुस के प्रमोद महाजन रंगमंच में आयोजित इस समारोह में विधायक देवराव भोंगले, विधायक किशोर जोरगेवार, महानगर अध्यक्ष राहुल पावड़े, जिला महासचिव विवेक बोधे, महिला प्रदेश महासचिव अलका आत्राम आदि नागरिक, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान कुछ जगहों पर झड़पें देखी गईं। लेकिन अगर कार्यकर्ताओं को जीत का भरोसा हो तो दुनिया की कोई ताकत हमें नहीं रोक सकती, उन्होंने कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया.

इस चुनाव में महायुति को जनता और प्यारी बहनों का भरपूर आशीर्वाद मिला। इस सफलता में सबसे बड़ी हिस्सेदारी प्रिय बहनों की है. बहनों ने हमें भाईदूज का रिटर्न गिफ्ट भी दिया. मुनगंटीवार ने कहा कि, विधानसभा चुनाव में घुग्घुस की जनता ने प्यार दिया. सम्मान समारोह की योजना हेतु विवेक बोडे एवं उनकी टीम की मुनगंटीवार ने सराहना की.

मुनगंटीवार ने विश्वास व्यक्त किया कि देवराव भोंगले और किशोर जोर्गेवार अपने निर्वाचन क्षेत्र का चेहरा बदलने के लिए काम करेंगे। साथ ही उन्होंने यह विश्वास भी जताया कि वह चंद्रपुर जिले के सभी नगर परिषद चुनाव जीतेंगे. 16 मार्च 1995 को घुग्गुस से मेरे राजनीतिक करियर की शुरुआत की. अगर इस गांव की जनता ने मुझे नहीं चुना होता तो मैं वह काम नहीं कर पाता जिससे हमारे जिले का मान देश में बढ़ता. पार्टी ने मौका दिया, लेकिन जनता ने भी मौका दिया. मुनगंटीवार ने उल्लेख किया. घुग्घुस के विकास के लिए मैं सदैव आपके साथ हूं। लोगों ने हमसे प्यार किया है. हम विकास कार्य कर उनका कर्ज उतारने का प्रयास करेंगे। इसलिए आज हम भविष्य के विकास कार्यों के लिए ऊर्जा हैं, उन्होंने इन शब्दों में अपना आभार व्यक्त किया।

कोहरा स्थायी नहीं है

हम सत्ता के भूखे नहीं, विकास के भूखे हैं। पद की कोई भूख नहीं है. उन्होंने यह भी बताया कि मुझे पोस्ट की भी चिंता नहीं थी. आज मैंने मुंबई से नागपुर के लिए फ्लाइट ली, लेकिन फ्लाइट नागपुर में नहीं उतरी। क्योंकि नागपुर के आसमान में कोहरा छाया हुआ था. आख़िरकार विमान हैदराबाद में उतरा. एक घंटे के बाद मौसम में सुधार हुआ और हम नागपुर हवाई अड्डे पर उतरने में सक्षम हुए। ऐसे जीवन में कोहरे के क्षण होते हैं, लेकिन वे स्थायी नहीं होते। ये तय है कि आपका विमान दोबारा लैंड करेगा.

भाग्यवान चंद्रपुर जिला.

दुनिया के किसी भी भक्त को मेरे जिले के सागौन से बने दरवाजे से ही अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर में प्रवेश करना पड़ता है। देश में किसी भी सांसद को हमारे बनाये दरवाजे से ही संसद में प्रवेश करना होता है. हमने पीएमओ में प्रधानमंत्री की कुर्सी भी बनाई है. हमारा जिला बहुत भाग्यशाली है.

आधी रात को तनस भरी ट्रैक्टर ट्रॉली को जलाया

> अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

चंद्रपुर . 30 दिसंबर की मध्य रात्रि करीब 12 से 1 बजे के बीच नेरी सोनेगांव मार्ग पर भूराजी देवस्थान जाने वाली सड़क के पास तनस (पशु चारा) से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में किसी अज्ञात व्यक्ति ने आग लगा दी. आग में ट्रॉली और उसके टायर जल गए. मालिक को काफी नुकसान हुआ है और इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है और पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है.

विस्तृत जानकारी यह है कि 29 तारीख को सुबह 5 बजे नेरी के संजय चांदेकर का ट्रैक्टर अपने खेत से तनस को ट्रॉली में लोड करके नेरी-सोनेगांव रोड पर सड़क के किनारे खड़ा किया था. रात में वाहन के पास आग देखकर वह घटना स्थल पर पहुंचे तो तनस और वाहन आग की भेट चढा हुआ थ. आग इतनी भीषण थी कि वाहन के टायर चल गए. ट्राली क्र. एमएच 36 जी 1116 का केवल ढांचा दिखाई दे रहा था.

किसी अज्ञात व्यक्ति ने जानबूझ कर ट्रॉली में आग लगा दी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची. पुलिस कर्मी विशाल निमकर और मेजर बोरसरे ने जली हुई ट्रॉली का पंचनामा कर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कियाग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन इस घटना में हुए नुकसान के लिए ट्रक मालिक संजय चांदेकर को मुआवजा दे और अज्ञात अपराधी के खिलाफ कार्रवाई करे.

रेलवे साइडिंग से कोयला चोरी

> दो ट्रैक्टरों के साथ 4 आरोपी गिरफ्तार

बल्लारपुर. राजुरा तालुका के पांढरपौनी रेलवे साइडिंग से कोयला चोरी करते समय दक्षिण मध्य रेलवे की आरपीएफ ने जाल बिछाकर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर दो मिनी ट्रैक्टर जब्त किए. यह कार्रवाई शुक्रवार (27) को रात 10 बजे की गई. आरोपियों की पहचान निखिल (निवासी राजुरा), लखन सिंह (निवासी बल्लारपुर), जितेंद्र (निवासी बल्लारपुर) और हितेश मडावी (निवासी बल्लारपुर) के रूप में हुई है. राजुरा तालुका में पांढरपौनी रेलवे साइडिंग से रेलवे वैगनों द्वारा कोयले की आपूर्ति की जाती है. वहां, वे बल्लारपुर कोयला क्षेत्र की खदानों से कोयला लाते हैं. इस मौके का फायदा उठाकर कोयला माफिया सुरक्षा गार्ड को चकमा देकर कोयला चुरा लेते हैं. दक्षिण मध्य रेलवे आरपीएफ को इसकी सूचना मिली। उन्होंने 27 दिसंबर को जाल बिछाया और 8 टन कोयला तथा दो मिनी ट्रैक्टर जब्त कर लिए। इसके अलावा 4 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है. आरोपी के खिलाफ दक्षिण मध्य रेलवे आरपीएफ में धारा 3(ए), आरपी (यूपी) अधिनियम 1966 के तहत मामला दर्ज किया गया है. उक्त कार्रवाई दक्षिण मध्य रेलवे कागजनगर आरपीएफ इंस्पेक्टर पी. श्रीनिवास गौड़, उपनिरीक्षक प्राची देवी, कांस्टेबल के. नागराज, कांस्टेबल पी वेंकटेश्वरलू, कांस्टेबल चंद्रमोली, सिपाही राजनारायण कांसे, सिपाही बंशीलाल ने की.

आकांक्षी जिलों की सूची से हटाने के लिए ठोस प्रयास की जरूरत है: रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ

> जिला प्रणाली का अवलोकन

गढ़चिरोली :

गढ़चिरोली जिले को आकांक्षी जिलों की सूची से हटाने के लिए जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों को ठोस प्रयास और तत्परता से काम करने की जरूरत है. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने आज विश्वास व्यक्त किया कि अधिकारियों की टीम वर्क के कारण यह मामला जल्द ही संभव हो जाएगा, जिन्होंने जिले को नया जीवन दिया है।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ आकांक्षित जिले की समीक्षा के लिए गढ़चिरौली जिले के दो दिवसीय दौरे पर आए हैं। उन्होंने आज जिला योजना भवन में विभिन्न सरकारी विभागों के प्रधानों की समीक्षा की।

इस अवसर पर कलेक्टर अविश्यंत पांडा, जिला पुलिस अधीक्षक श्री नीलोत्पल, सांसद नामदेव किरसान, विधायक रामदास मसराम, विधायक मिलिंद नरोटे, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र भुयार मुख्य रूप से उपस्थित थे.

शिक्षा पर जोर देते हुए राज्य मंत्री संजय सेठ ने जिले में स्कूलों की संख्या, छात्रों की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन योजना की जानकारी ली. उन्होंने जिले में एक केन्द्रीय विद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बुनियादी ढांचे को सक्षम करने की जरूरत है, जिले में प्रमुख फसलें कौन सी हैं, प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों के लिए क्या राहत सुविधाएं हैं, इसे बढ़ाने के लिए क्या किया जा सकता है. किसानों की आय, कितने किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किए गए, किसान सम्मान योजना से कितने किसानों को लाभ हुआ, उन्होंने पूछा कि क्या लाभ वितरण में कोई समस्या है। उन्होंने किसानों के खेतों में सिंचाई का पानी कैसे पहुंचेगा, क्या उपाय किये जा रहे हैं और क्या करने की जरूरत है, इसकी जानकारी ली और अधिकारियों से जिले को संकट से उबारने के लिए सरकार से क्या मदद की जरूरत है, इसकी विस्तृत जानकारी देने की अपील की. आकांक्षी जिलों की सूची. उन्होंने कहा कि यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय को सौंपी जायेगी और इससे जिले को काफी मदद मिलेगी. उन्होंने जलजीवन मिशन योजना के तहत 92 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति की सराहना करते हुए शेष कार्यों को भी तेजी से पूरा करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर अविश्यंत पांडा ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले के बारे में जानकारी दी. पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए चल रहे प्रयासों की जानकारी दी.

इस अवसर पर सांसद नामदेव किरसन, विधायक रामदास मसराम, विधायक मिलिंद नरोटे ने जिले के विभिन्न मुद्दों को राज्य मंत्री संजय सेठ के समक्ष उठाया.

इसके बाद श्री संजय सेठ ने गोंडवाना विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण केंद्र और एकल केंद्र का दौरा किया और छात्रों से बातचीत की। उन्होंने कोटकल ग्राम पंचायत का भी दौरा किया और ग्रामीणों से बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए देश में कई योजनाएं शुरू की हैं और उन्होंने उनसे इसका लाभ उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने कोटगल बैराज का भी दौरा किया और वहां काम का निरीक्षण किया। श्री सेठ आज सुबह रेस्ट हाउस में डॉ. नामदेव किरसन, विधायक धर्मरावबाबा आत्राम, रामदास मसराम, डॉ. मिलिंद नरोटे से जिले के विकास कार्यों पर चर्चा की।

कार्यक्रम में अपर कलेक्टर विवेक घोडके, जिला योजना अधिकारी श्रीराम पचखेड़े, सभी उपविभागीय अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रमुख शामिल हुए.

ट्रैवल्स-टूव्हीलर हादसे में महिला गंभीर घायल

नागभीड़. टूव्हीलर से जा रही एक महिला को तेज रफ्तार ट्रैव्हल्स ने अपने पहियों में ले लिया परंतु महिला का भाग्य अच्छा था कि वाहन के पहियों में आने के बाद भी महिला की जान बच गई परंतु इस दौरान उसे गंभीर चोटें आयी. यह घटना आज सुबह 10.45 बजे हुई. आज सुबह 10.45 बजे ब्रम्हपुरी से नागपुर की ओर जा रही यात्री परिवहन करनेवाली एमएच 46 ए एच 6199 मां शेरावाली निजी ट्रैव्हल्स ने एक दुपहिया क्र. एमएच 34 वाईबी 9034 सवार महिला को टक्कर मारने से महिला टूव्हीलर समेत नीचे गिर पडी. और ट्रैव्हलस के नीचे दब गई. लोगों के आक्रोश को देख ट्रैव्हल्स चालक वाहन रोककर फरार हो गया. तुरंत ही आसपास के लोगों ने पास के गैरेज से जैक लाकर ट्रैव्हल्स को उंचा उठाकर नीचे दबी महिला को सुरक्षित बाहर निकाला. इस बीच नागभीड़ पुलिस स्टेशन के थानेदार अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे. 108 नंबर की एम्बूलैंस बुलाकर महिला को शासकीय अस्पताल में भरती किया गया. घायल महिला का नाम जया गौतम बागडे 40 है जो कि पार्डी ठवरे की निवासी है. उक्त टी पाईन्ट पर हमेशा चंद्रपुर, नागपुर, ब्रम्हपुरी, गडचिरोली की ओर जानेवाले साथ ही आसपास के बस्ती एवं गांव की ओर जानेवाले नागरिकों की भीड़ होने से यहां हमेशा दुर्घटनाएं होती हे.

वर्धा नदी के तट पर मौर्यकालीन अवशेष मिले

> गोंडपिपरी तालुका के बेड़गांव फार्म में खोज

चंद्रपुर.

जिले में मौर्य काल के बहुत कम अवशेष पाए गए हैं. इसके अलावा, चंद्रपुर के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ेगा, जब गोंडपिपरी तालुका के बेड़गांव खेत परिसर में मौर्य युग के अवशेष मिले हैं। प्रा. सुरेश चोपणे का अनुमान है कि खोजे गए अवशेष मौर्य से वाकाटक काल के हैं.

वर्धा नदी के तट पर स्थित खेतों में मौर्य से लेकर सातवाहन काल तक के अवशेष खोजे जा रहे हैं. इसमें टेराकोटा के मोती, घरेलू बर्तनों के टुकड़े, पत्थर के औजार और तांबे की मूर्तियाँ मिली हैं. वैनगंगा, वर्धा, अंधारी, उमा और पैनगंगा नदियाँ चंद्रपुर जिले से होकर बहती हैं. प्राचीन काल में नदियों के किनारे बस्तियाँ हुआ करती थीं. इस बस्ती के अवशेष आज भी पाए जा सकते हैं. खोजे गए अवशेषों से उस समय का प्राचीन इतिहास सामने आ रहा है. गोंडपिपरी तालुका के बेडगांव खेत क्षेत्र में वर्धा नदी के तट पर वसंता चिताडे के खेत में एक प्राचीन बस्ती के अवशेष खोजे गए हैं. प्रा. सुरेश चोपणे का अनुमान है कि यहां मिले अवशेष मौर्य से वाकाटक काल के हैं. इसका महत्व इसलिए बढ़ गया है क्योंकि वर्धा नदी के तट पर इसके अवशेष मिल रहे हैं. दिलचस्प बात यह है कि नदी के दूसरे किनारे पर तेलंगाना राज्य के गांव हैं. प्राचीन काल में परिवहन नदी के द्वारा किया जाता था. इसलिए प्रो चोपणे ने अनुमान लगाया है कि यहां नाका हो सकता है. गोंडपिपरी तालुका के गांवों में ऐतिहासिक कलाकृतियां बिखरी पड़ी हैं. यहाँ की कई घाटियों में प्राचीन बस्तियाँ थीं. जमीन के नीचे दबा इतिहास अब प्रकाश में आ रहा है.बेडगांव में मिली वस्तुएं गोंडपिपरी तालुका के इतिहास में इजाफा करती हैं.पुरातत्व विभाग को इस मकबरे की खुदाई करनी चाहिए ऐसी जानकारी अरुण झगड़कर, अध्यक्ष, ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण समिति ने दी.

CMYK

अभिषेक को अकेले देख फिर उड़ी तलाक की अफवाहे

कुछ वक्त पहले ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन लोगों के बीच काफी चर्चा में थे. हालांकि, इसकी वजह ये थी कि दोनों के तलाक की खबरें सामने आने लगी, लेकिन जब दोनों ने अपनी बेटी आराध्या के स्कूल के एनुअल फंक्शन में साथ दिखे, तो लोगों की इन खबरों पर रोक लग गई. लेकिन एक बार फिर ये चर्चा शुरू हो चुकी है, जिसकी वजह बच्चन परिवार की मैनेजिंग डायरेक्टर के बेटे की रिसेप्शन पार्टी है. इस पार्टी की तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसमें एक बार फिर पूरा परिवार शामिल है, लेकिन ऐश्वर्या और आराध्या नहीं दिख रही हैं.

दरअसल, अभिषेक बच्चन, जया बच्चन और अमिताभ बच्चन ने हाल ही में मुंबई में एक इवेंट अटेंड किया, जिसकी तस्वीर वायरल हो रही हैं. इस फोटो में लोगों की निगाहें बच्चन खानदान की बहू ऐश्वर्या राय बच्चन को ढूंढ रही हैं. बच्चन परिवार अपने मैनेजिंग डायरेक्टर के बेटे रिकीन यादव और सुरभि की रिसेप्शन पार्टी में शामिल हुआ था, जिसमें ऐश्वर्या शामिल नहीं थी. इस बात की जानकारी वायरल हो रहे फोटो से मिली है, जिसमें पूरा परिवार कपल के साथ स्टेज पर पोज देते दिखा, जिसमें केवल अभिषेक, जया और अमिताभ बच्चन ही हैं.

ऐश्वर्या की गैरमौजूदगी लोगों के बीच दोबारा से तलाक के मुद्दे को उठाने में कामयाब हो गई है. दरअसल, लेकिन ऐश्वर्या का न होना फैन्स को एक बार फिर खटकने लगा है. लोग इस फोटो को देखने के बाद सवाल उठा रहे हैं कि आखिर बहूरानी कहां हैं. इससे पहले भी एक बार और इवेंट के दौरान ऐश्वर्या और बच्चन परिवार के बीच दूरियों को देखते हुए ये खबरें तेजी से फैलने लगी थी. ये वाकया अंबानी परिवार के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के फंक्शन का है, जिसमें ऐश्वर्या और आराध्या बाकी बच्चन फैमिली से अलग-अलग घूमते दिख रही थीं. वहीं ऐश्वर्या की कोई भी तस्वीर परिवार के साथ सामने नहीं आयी.

अब दोबारा से ऐसा ही देखने के बाद लोग फिर से वही मुद्दा उठाने लगे हैं. जब से दोनों के अलग होने की बात शुरू हुई है, उसके बाद से दोनों ही स्टार्स ने इस मुद्दे पर कुछ भी नहीं कहा है. उनके साथ ही साथ बच्चन फैमिली ने भी कुछ बयान नहीं दिया है. कहा जा रहा था कि अभिषेक और निमरत कौर के बीच आई नजदीकियों की वजह से दोनों के रिश्ते में दरार आई है. हालांकि, इस बात की भी कहीं पुष्टि नहीं की गई है.

रसगुल्ले में शराब मिलाकर पीते थे अजय

साल 2024 में खूब धमाल मचाने के बाद अब अजय देवगन अगले साल की पूरी तैयारी कर चुके हैं. इस वक्त वो 'आजाद' के प्रमोशंस में लगे हुए हैं. इस फिल्म से उनके भांजे अमन देवगन डेब्यू करने वाले हैं. फिल्म 14 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. इस एक्शन ड्रामा फिल्म से पहले अजय देवगन अपने भांजे को लेकर एक कुकिंग शो में पहुंचे. जहां खाना बनाते-बनाते उन्होंने बताया कि, कैसे वो रसगुल्ले में शराब मिलाकर पीते थे.

अजय देवगन का यह वीडियो अब जमकर वायरल भी हो रहा है. जिसके चलते उन्हें लोग ट्रोल भी कर रहे हैं. कुछ वक्त पहले अजय देवगन ने एक पॉडकास्ट में बताया था कि वो 15 साल की उम्र से शराब पी रहे हैं. पर क्या आपने कभी सुना है किसी को रसगुल्ले में शराब मिलाकर पीते हुए. ऐसा अजय देवगन क्यों करते थे?

हाल ही में अजय देवगन ने 'यॉर फूड लैब' को इंटरव्यू दिया. इस दौरान पहले अजय देवगन के भांजे से पूछा गया, कि क्या उन्होंने कभी अजीबो-गरीब फूड कॉम्बिनेशन ट्राई किया है. इस पर अमन ने बताया कि, वो फ्रेंच फाइज को डाइट कोक में डुबाकर खाते हैं. वहीं, इस पर अजय देवगन ने कहा मेरा तो ऐसा कुछ नहीं है. इस दौरान उन्होंने भांजे की तरफ इशारा करके कहा कि, जब इनकी उम्र के थे और चार-चार फिल्मों में दिन रात काम करते थे, तब कुछ अजीबो-गरीब ट्राई कर चुके हैं. इस दौरान अजय देवगन ने एकदम क्लियर कर दिया कि, वो तब भी खाने में नहीं, बल्कि पीने में अजीब चीजें ट्राई कर चुके हैं. उन्होंने बताया कि ट्रैवल के दौरान गाड़ी में बैठकर ड्रिंक करने का वक्त नहीं मिलता था. खासकर लॉन्ग ड्राइव के लिए वो रसगुल्ले लेकर उन्हें निचोड़ देते थे ताकि चाशनी निकल जाए. जैसे ही रसगुल्ले का साइज बदलता था, तो उसे पानी में डालकर धो दिया जाता था. इसके बाद फिर उसे निचोड़कर पूरा मीठा निकाल दिया जाता था. आखिर में वो उसे शराब में डालते थे, फिर उसे चखने के साथ खाते थे. इस वीडियो को देखने के बाद लोग वीडियो पर मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं. लोग लिखते हैं कि "अब आप इसे भी फेमस कर दो". वहीं कुछ लोगों ने लिखा कि- कभी भी अजय सर का ऐसा अंदाज नहीं देखा, यह देखकर अच्छा लगा. वहीं एक यूजर ने लिखा कि- वाह नया आइडिया मिल गया, अब तो ट्राई करना होगा.

इस फेमस एक्टर का बेटा 14 दिनों तक था कोमा में

थलपति विजय साउथ इंडस्ट्री के बड़े स्टार हैं, उनकी फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा है. यहां तक कि इंडस्ट्री में भी लोग उनको काफी पसंद करते हैं. हाल ही में एक्टर नास्सर ने एक्टर के साथ अपने बॉन्ड और लगाव के बारे में बात करते हुए एक किस्सा शेयर किया. उन्होंने बताया कि उनका बेटा थलपति का बहुत बड़ा फैन है.नास्सर ने ये भी खुलासा किया कि थलपति विजय ने सबसे मुश्किल दौर में उनका बहुत साथ दिया है. नास्सर की बात की जाए, तो उन्हें बॉलीवुड और साउथ दोनों की फिल्मों में अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है. हाल ही में नास्सर ओएमजी शो पर शामिल हुए जहां उन्होंने मदन गौरी से बात की. इस दौरान उन्होंने थलपति के लिए अपने और अपने अटैचमेंट के बारे में खुलासा करते हुए एक किस्सा शेयर किया. उन्होंने बताया कि कुछ वक्त पहले उनका बेटा नूरुल हसन फैजल 14 दिनों तक कोमा में था.

एक्टर ने कहा कि वो 14 दिनों तक बेहोश था, कोमा में था, और उसे इलाज के लिए हम सभी सिंगापुर लेकर गए थे. इतने दिन के बाद जब उसे होश आया, तो उसने अपनी मां या मेरा नाम नहीं लिया, बल्कि उसने विजय का नाम निकला. हालांकि, विजय नाम का उसका एक दोस्त भी है, तो हमें लगा कि उसे सब कुछ याद है. हम खुश थे, लेकिन जब उसका वो दोस्त सामने आया तो नूरुल ने उसे नहीं पहचाना.नास्सर की पत्नी साइकोलॉजिस्ट हैं, इस घटना के बाद उनको पता चला कि उनका बेटा अपने दोस्त विजय नहीं बल्किथलपतिविजय का नाम ले रहा है. इसको कंफर्म करने के लिए जब उन्होंने एक्टर की तस्वीर उसे दिखाई, तो उसका बेटा खुश हो गया और उसके चेहरे पर चमक आ गई.

'मार्को' के आगे मजाक लगेगी एनिमल-किल!

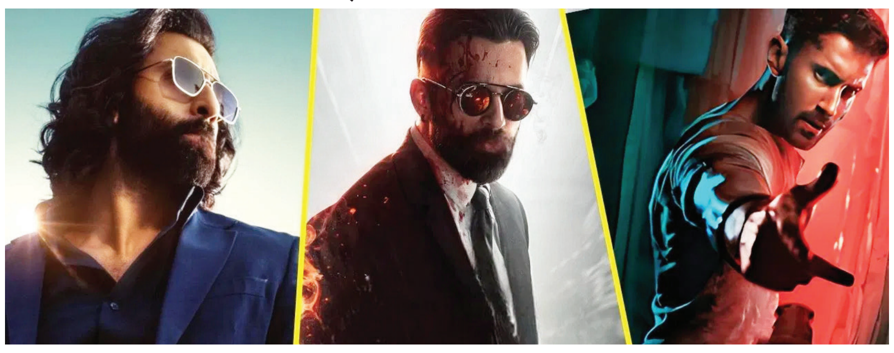

अगर आप भी कमजोर दिल के हैं, तो यह फिल्म आपके लिए नहीं है. ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि हाल ही में रिलीज हुई मलयालम की एक्शन फिल्म मार्को में बहुत खून-खराबा है. इसका लेवल इतना ऊपर है, जिसके आगे आपको रणबीर कपूर की 'एनिमल' और राघव जुयाल की फिल्म 'किल' भी मजाक लगेगी. वायलेंस के मामले में इस फिल्म ने हर किसी को पीछे छोड़ दिया है, बदले की कहानी शुरू करने से पहले जान लीजिए इसके बारे में छोटा सा इंट्रो.

मार्को 2024 में रिलीज हुई मलयालम भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है. हनीफ अडेनी ने फिल्म को डायरेक्ट किया है. वहीं उन्नी मुकुंदन फिल्म में लीड रोल कर रहे हैं. इसके साथ ही क्यूब्स एंटरटेनमेंट्स और उन्नी मुकुंदन फिल्मों ने इस पिक्चर को प्रोड्यूस किया है. वापस आते हैं बदले की कहानी पर. क्यों इस फिल्म को सबसे ज्यादा खून खराबे वाली पिक्चर कहा जा रहा है, इन 5 सीन में समझाएंगे. पर इस कॉपी में बहुत सारे स्पॉइलर्स हैं, तो अपने रिस्क पर आगे पढ़िए.

सीन 1: मार्को को फिल्म में बहुत खूंखार दिखाया गया है. पर उसके साथ भी पिक्चर में ऐसा ही कुछ हुआ, जिसके चलते वो खतरनाक बन गया. पहला सीन वो है, जब मार्को को दुश्मन जंगल में घेर लेते हैं. पेड़ काटने वाली मशीन से उसके दोस्त का एक हाथ काट दिया जाता और फिर वो दुश्मनों के लीडर पर हमला करता है. वो दांत से ही उसके गले में काटता है और गले से एक बड़ा हिस्सा बाहर आ जाता है.

सीन 2: फिर मार्को खूब मारधाड़ कर बाजी जीतता है. पर कुछ भी एक तरफा नहीं होता. कुछ ही देर में दुश्मन उसके घर में हमला बोल देते हैं. ऐसे में हम ने अबतक कई फिल्मों में देखा है कि विलन कितना भी खतरनाक हो, बदले की लड़ाई में बच्चों को छोड़ देता है. पर इस फिल्म में बिल्कुल उलटा देखने को मिला. जब एक छोटे से बच्चे के सिर में सिलेंडर मार-मारकर उसका मुंह ही पिचका दिया जाता है.

सीन 3: जिस भाई की मौत का मार्को बदला लेने उतरा है. अब उसकी प्रेग्नेंट गर्लफ्रेंड को बचाने की जिम्मेदारी भी मार्को पर है. जिसकी घर के ही एक कमरे में डिलीवरी हो रही है. तभी वहां पहुंचते हैं गुंडे और बुरी तरह से उस लड़की की डिलीवरी करवा देते हैं. इतना बहुत नहीं होता, वो बच्चे को एक हाथ में उठाकर ले जाते हैं और पुरे रास्ते गाड़ी की खिड़की से बाहर टांग कर रखते हैं.

दिग्गज निर्देशक की वरुण धवन ने खोली पोल

बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर वरुण धवन इन दिनों चर्चा में हैं. 25 दिसंबर को वरुण की फिल्म बेबी जॉन आई और इसके प्रमोशन के लिए वरुण अलग-अलग जगहों पर इंटरव्यूज दे रहे हैं. एक पॉडकास्ट में वरुण गए, जहां के कई क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. इसी इंटरव्यू में वरुण ने बताया कि उनके पिता कानपुर से ताल्लुक रखते हैं. सुधांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में वरुण धवन ने बातों-बातों में बताया कि उनके पिता कानपुर से हैं. वहीं डायरेक्टर नितेश तिवारी भी कानपुर से ही हैं और उनका एक राज भी एक्टर ने खोला. डेविड धवन का कानपुर से क्या कनेक्शन है और नितेश तिवारी का वो राज क्या है, आइए बताते हैं.

पॉडकास्ट में वरुण से पूछा गया कि क्या वो सलमान खान और गोविंदा को कॉपी करते हैं? इस पर वरुण ने कहा कि बचपन से उनकी फिल्मों की शूटिंग देखते आ रहे हैं, वो उनके जैसा बनना चाहते थे तो कहीं न कहीं वो निकल आता है. उनके डैड भी कहते हैं अपने अंदाज में थोड़ा कानपुर लेकर आओ. इस पर वरुण से पूछा गया कि आपको आती है कानपुर-लखनऊ की भाषा? इस पर वरुण ने कहा, 'नहीं मुझे प्रॉपर नहीं आती, लेकिन वहां की बोली में एक रौब है जो मुझे पसंद है. कानपुर में शूटिंग के दौरान ये सब कुछ देखने को मिला और मेरे डैड तो पक्के कनपुरिया हैं क्योंकि उनका वहां से कनेक्शन है. इसलिए वो अपनी फिल्मों में भी वो अंदाज ले ही आते थे.'

16 अगस्त 1951 को त्रिपुरा के अगरताला में डेविड धवन का जन्म हुआ था. इनके पिता यूको बैंक में मैनेजर थे इसलिए उनका अलग-अलग जगहों पर ट्रांसफर हुआ करता था. इस वजह से डेविड धवन की पढ़ाई कानपुर से ही हुई, जिसमें उनकी स्कूलिंग बीएनएसडी इंटर कॉलेज से और ग्रेजुएशन क्राइस्ट चर्च डिग्री कॉलेज से हुई. बाद में उन्होंने पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन ऑफ इंडिया ज्वाइन किया. डेविड धवन ने बतौर फिल्म एडिटर करियर की शुरुआत की थी. बाद में डायरेक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाई.

वरुण धवन ने बताया कि नितेश तिवारी भी कानपुर से ही हैं. इसी पॉडकास्ट में वरुण ने नितेश तिवारी की एक आदत के बारे मे बताया. एक्टर ने कहा कि नितेश तिवारी भी कानपुर से हैं और उन्हें मुंह में गुटखा रखकर काम करने की आदत है. फिर एक्टर ने कहा कि वो कोई खुलासा नहीं कर रहे बस बता रहे और जब वो लोग फिल्म बवाल की शूटिंग कानपुर में कर रहे थे, तब उनका अंदाज बिल्कुल कनपुरिया था.

वरुण धवन को करण जौहर ने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर (2012) से लॉन्च किया था. इसी फिल्म से आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी डेब्यू किया. पहली फिल्म हिट होने के बाद वरुण ने 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया', 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया', 'एबीसीडी 2', 'सुई धागा', 'मैं तेरा हीरो', 'जुड़वा 2', 'बदलापुर', 'दिलवाले','भेड़िया', 'जुग जुग जियो', 'बवाल' और 'बेबी जॉन' जैसी फिल्में की

आशा भोसले ने 'तौबा तौबा' पर किया हुक स्टेप

हिंदी सिनेमा की लेजेंड्री सिंगर आशा भोसले के गाने के लोग आज भी दिवाने हैं। हाल ही सिंगर ने विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी स्टारर 'बैड न्यूज' के सुपरहिट गाना 'तौबा तौबा' पर शानदार डांस दर्शकों को हैरान कर दिया है। आशा ने पंजाबी गायक करण औजला के गाए गाने पर पहली बार उनके बॉलीवुड नंबर पर अपनी आवाज का भी क्लासिक तड़का लगाया ऐसे में अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस देखकर न सिर्फ नेटिजन्स बल्कि करण औजला के फैंस भी उनके डांस दीवाने हो गए हैं।

दरअसल, आशा भोसले का यह वीडियो दुबई का। जिसमें वह व्हाइट साड़ी पहने दिखाई दे रही हैं। वहीं धर्मा प्रोडक्शंस ने आशा भोसले का 'तौबा तौबा' डांस वीडियो शेयर किया।

इसमें उन्होंने न केवल विक्की कौशल की 'बैड न्यूज' का सुपरहिट गाना अपनी मधुर आवाज में गाया, बल्कि गाने का सिग्नेचर स्टेप भी किया। धर्मा प्रोडक्शंस ने कॉन्सर्ट का एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि एक ऐसा क्षण जो लोगों को हैरान कर दिया। इसके साथ ही करण औजला ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर आशा भोसले को टैग करते हुए एक नोट लिखा कि, संगीत की देवी है, उन्होंने तौबा तौबा गाया... जो एक ऐसा गीत जिसे छोटे गांव में पले-बढ़े एक बच्चे द्वारा लिखा गया है, जिसके परिवार का संगीत से कोई नाता नहीं है और ना ही उसे म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट का कोई ज्ञान है। एक ऐसे व्यक्ति द्वारा बनाई गई गाने की धुन जो कोई भी नहीं बजाता है। इस गाने को न सिर्फ फैंस बल्कि संगीत कलाकारों के बीच भी बहुत प्यार मिला है, लेकिन यह पल मैं कभी नहीं भूलूंगा। मैं बहुत आभारी हूं कि आपने मेरे गाने को इस तरह से पेश किया।'

हालांकि, सिंगर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर आशा भोसले द्वारा मंच पर तौबा तौबा गाते हुए रील को भी शेयर किया।

उन्होंने इसके साथ लिखा कि, 'मैंने इसे 27 साल की उम्र में लिखा था और उन्होंने 91 साल की उम्र के बावजूद मुझसे बेहतर गाया और आशा जी ने शानदार डांस भी किया।' बता दें, रविवार को दुबई में आशा भोसले ने सोनू निगम के साथ अपने संगीत कार्यक्रम के दौरान तौबा तौबा पर प्रस्तुति दी थी।

अल्लू अर्जुन पर 3 जनवरी तक टली नियमित जमानत याचिका

4 दिसंबर को संध्या थिएटर के बाहर हुई भगदड़ में महिला की मौत मामले में अल्लू अर्जुन की मुश्किल कम होने का नाम नहीं ले रही है। 13 दिसंबर को अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद हाईकोर्ट ने उन्हें चार हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी थी। जबकि पहले निचली अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था। अंतरिम जमानत मिलने के बाद अल्लू अर्जुन रिहा तो हो गए। लेकिन 14 दिन के न्यायाधीश हिरासत की अवधि 27 दिसंबर को खत्म हुई, उन्हें फिर से कोर्ट में पेश किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 27 को

अल्लू अर्जुन की पेशी हुई। तब उन्होंने नियमित जमानत की याचिका दायर की थी। इस याचिका पर आज की सुनवाई में फैसला 3 जनवरी तक के लिए टाल दिया गया है। 13 दिसंबर को उन्हें चार हफ्ते की अंतरिम जमानत मिली थी। उसकी अवधि भी जनवरी में 12 तारीख के आसपास समाप्त हो जाएगी। ऐसे में उन पर फिर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। अगर उससे पहले नियमित जमानत नहीं मिलती है, तो उनकी गिरफ्तारी हो सकती है।

4 दिसंबर को संध्या थिएटर के बाहर हुई भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी। मृतक महिला का बच्चा भी बुरी तरह से घायल हुआ था। जिसका अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित परिवार की तरफ से की गई शिकायत पर अल्लू अर्जुन 13 दिसंबर को हुई थी। उसके बाद निचली अदालत ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा। लेकिन हैदराबाद हाईकोर्ट ने एक्टर को राहत दी और उन्हें चार हफ्ते की अंतरिम जमानत दी गई। लेकिन यह मामला अभी भी चल रहा है। 24 दिसंबर को चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन में अल्लू अर्जुन को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। उस से एक दिन पहले अल्लू अर्जुन के घर पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया था। इसके बाद उनकी भी गिरफ्तारी की गई। इन सब के बीच घायल बच्चे की तबीयत अब स्थिर बताई जा रही है। अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविन्द ने पीड़ित परिवार को अल्लू अर्जुन और फिल्म मेकर की तरफ से दो करोड़ रुपए की मदद राशि देने का ऐलान किया है।

ऐतिहासिक सफलताओं से भरा रहा साल 2024

ओलंपिक में लहराया परचम, क्रिकेट में भी किया कमाल

नई दिल्ली.

साल 2024 खेल जगत के लिए काफी शानदार रहा। इस साल भारत ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की, फिर चाहे वह क्रिकेट में हो, पेरिस ओलंपकि में या फिर शतरंज में हो। इस साल भारत ने खेल में धमाल मचाने का काम किया है। भारत के खिलाड़ियों द्वारा किए गए कमाल ने दुनिया में देश के नाम का डंका बजाया है।

वैसे तो साल 2024 ने भारतीय खेलों में कुछ यादगार पल जोड़े लेकिन जिन तारीखों को याद किया जाएगा उनमें 29 जून, 30 जुलाई, 12 दिसंबर और 28 दिसंबर शामिल हैं। भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम 2036 ओलंपिक की मेजबानी के इरादे का औपचारिक आशय पत्र सौंपना रहा। यह एक ऐसा कदम है जिसमें देश के खेल परिदृश्य को बदलने की क्षमता है। बारबाडोस में 29 जून की उमस भरी शाम को रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी टूर्नामेंटों के नॉकआउट मैचों में बाहर होने से एक दशक से भी अधिक समय तक चल इंतजार को खत्म करते हुए टी20 विश्व कप खिताब जीता। यह देश के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व सचिव जय शाह भी इसी साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष बने। भारतीय क्रिकेट टीम की सफलता के एक महीने बाद 30 जुलाई को पिस्टल

निशानेबाज मनु भाकर आजादी के बाद एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी। दूसरी तरफ टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक में रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारत को मौजूदा विश्व चैंपियन से स्वर्ण पदक की उम्मीद थी, लेकिन अंततः ऐसा नहीं हुआ क्योंकि वह पाकिस्तान के अरशद नदीम से हार गए जिन्होंने खेलों के 16 साल पुराने रिकॉर्ड को एक बार नहीं बल्कि दो बार तोड़ा। भारत पेरिस में ओलंपिक इतिहास फिर से लिख सकता था, लेकिन आखिर में वह एक रजत और पांच कांस्य सहित छह पदकों के साथ इस खेल महाकुंभ में भाग लेने वाले 206 देशों के बीच 71वें स्थान पर रहा। खेलों को छह पदकों के लिए उतना ही याद किया जाएगा जितना कि छह चौथे स्थान पर रहने के कारण, जो दिल तोड़ने वाला रहा। भारत पहली बार दोहरे अंक में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ पेरिस गया था लेकिन वह टोक्यो ओलंपिक की बराबरी भी नहीं कर पाया जहां भारत ने एक स्वर्ण सहित सात पदक जीते थे।

शतरंज में भी हुआ नाम रोशन

पिछले चार महीनों में शतरंज बोर्ड भारत के लिए खुशहाली का मैदान बन गया है, जहां पुरुष और महिला दोनों टीमों ने सितंबर में पहली बार ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीते हैं वहीं डी गुकेश और कोनेरू हम्पी ने दिसंबर में विश्व खिताब के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ। गुकेश 12 दिसंबर को 18 साल की उम्र में चीन की डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने जबकि 37 वर्षीय हम्पी ने 28 दिसंबर को अपने करियर में दूसरी बार महिलाओं का रैपिड विश्व खिताब जीता।

हॉकी टीम ने जीता कांस्य

पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए एक और प्रमुख आकर्षण पुरुष हॉकी टीम का लगातार दूसरा पदक (कांस्य) जीतना भी रहा। पेरिस ओलंपिक में हालांकि कुछ चूक भी हुई जिसका मलाल आगे भी रहेगा। इससे हालांकि यह पता चलता है कि भारत को खेल महाशक्ति बनने से पहले अभी काफी कुछ करने की जरूरत है।

पेरिस पैरालिंपिक में अपने रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के साथ पैरा खिलाड़ियों और अनुभवी टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना की 44 वर्ष की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पुरुष युगल खिताब की जीत ने भी एक अमिट छाप छोड़ी। भारत ने पैरालंपिक खेलों में सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य सहित कुल 29 पदक जीते। वह पदक तालिका में 18वें स्थान पर रहा।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 45 रनों से हराया

टी20 मुकाबले को जीतकर सीरीज पर जमाया कब्जा

माउंट मैंगनुई.

न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच खेली गई दूसरे टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 45 रनों से हराकर मुकाबले को आसानी से जीत लिया। इस जीत के साथ ही तीन मैचों की टी20 सीरीज में न्यूजीलैंड की टीम 2-0 से बढ़त बना ली है। अगला टी20 मुकाबला जीतकर न्यूजीलैंड सीरीज को क्लीन स्वीप करने उतरेगी। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 186 रन बनाए। जिसमें टिम रॉबिनसन ने 41 रन बनाए। हालांकि रचिन रविंद्र कुछ ज्यादा योगदान नहीं कर सके। उन्होंने केवल 1 रन बनाकर आउट हो गए। उसके बाद मार्क चैपमैन ने 29 गेंदों में 42 रनों की पारी खेली। वहीं ग्लेन फिलिप्स ने 23, डेरिल मिचेल ने 18

और मिचेल हे ने अंत में 19 गेंद पर 41 रन बनाए। श्रीलंका के लिए गेंदबाजी करते हुए नुवान तुषारा ने 1, मथीशा पथिराना ने 1 और वानिंदु हसरंगा ने 2 विकेट चटकाए।

जवाब में इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम सभी विकेट खोकर 141 रन बनाए। जिसमें पथुम निसांका ने 37, कुसल मेंडिस ने 10, कुसल परेरा ने 48 और चरिथ असलंका ने 20 रन बनाए। वही 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। न्यूजीलैंड के लिए जैकब डफी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए। जैकब डफी ने 15 रन खर्च करके 4, मैट हेनरी ने 31 रन देकर 2 और मिचेल सेंटनर ने 2 विकेट चटकाए।

न्यूजीलैंड ने इससे पहले सीरीज के शुरुआती टी20 अंतरराष्ट्रीय को आठ रन से जीता था। दो दिन पहले 21 रन देकर तीन विकेट लेने वाले डफी ने इस मैच में 15 रन देकर चार विकेट चटकाये।

विकेटकीपर बल्लेबाज हे ने 19 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और दो छक्के जड़कर मैच में बड़ा अंतर पैदा किया। इस आक्रामक पारी के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

2 जनवरी को सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला खेला जाएगा। यह मुकाबला नेल्सन ओवल में खेला जाएगा। उसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी। जिसका पहला मुकाबला 5 को खेला जाएगा और आखिरी मुकाबला 11 जनवरी को खेला जाएगा।

दर्जी का बेटा लंदन खेलने जाएगा फुटबॉल

गोंडा. उत्तर प्रदेश के गोंडा शहर के मोहम्मद अयान के अंडर-17 फुटबॉल में चयन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई. अयान बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं.अयान बताते हैं कि अंडर-17 में चयन के लिए वह काफी मेहनत कर रहे थे. अपोलो टायर्स और मैनचेस्टर यूनाइटेड लीजेंड के लिए पूरे देश से सिर्फ तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है. अयान उनमें से एक हैं. अयान गरीब परिवार से हैं. उनके पिताजी सिलाई कर रोजी-रोटी चलाते हैं. ऐसी स्थित में भी उन्होंने अयान को कभी फुटबॉल खेलने से मना नहीं किया. अयान कहते हैं कि उन्हें पिता का पूरा सपोर्ट रहा. सारी जरूरतें पूरी करते हैं.

खतरों से खेल रही सारा तेंदुलकर

नई दिल्ली.

भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर इन दिनों ऑस्ट्रेलिया में घूमती हुई दिखाई दे रही हैं। सारा कभी क्रिकेट ग्राउंड में नजर आती हैं, तो कभी समुद्र किनारे मौज मस्ती करती हुई दिखाई देती हैं। फैंस भी उनके पोस्ट का इंतजार काफी बेसब्री से करते हैं। अपने ऑफिशल इंस्टाग्राम अकाउंट सारा अक्सर खूबसूरत वीडियो और तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक अंदाज और लोक फैंस को दीवाना बना देता है। उनके चेहरे की मुस्कुराहट पर हर एक शख्स फिदा हो जाता है। ऐसा ही एक बार फिर देखने को मिला है।दरअसल, सारा तेंदुलकर ने अपने ऑफिशल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक शानदार वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो पर फैंस जमकर लाइक्स और कमेंट्स कर रहे हैं। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि सारा किस तरह से समुद्र की लहरों में बीचों-बीच राइडिंग करती हुई नजर आ रही है। उन्हें इस तरह से फर्राटे भरने में काफी मजा आ रहा है। ग्रीन ड्रेस और काले चश्मे में जिस तरह से सारा पानी में सैर कर रही हैं। उसे देखकर ऐसा लग रहा है, कि वह किसी फिल्म की शूटिंग कर रही हों। सारा किया स्टाइल काफी फिल्मी भी लग रहा है। उन्होंने अपने कैप्शन में "चैसिंग एड्रेनालाईन" भी लिखा है।

यह पहला मौका नहीं है, जब सचिन की लाडली इस तरह से मस्ती करते हुए नजर आ रही हैं। इससे पहले भी उन्हें बीच, पहाड़ और जंगलों में घूमते हुए देखा गया है। इन सभी जगह का वीडियो भी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर रखा है।

उन्हें घूमने काफी अच्छा लगता है। इस बात का यह एक बहुत बड़ा सबूत भी है।

अलग-अलग जगह से उनकी खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। फैंस उनका पोस्ट देखते ही हाजिरी लगाना शुरू कर देते हैं। कोई उन्हें प्यार देता है, तो कोई उनके पोस्ट पर शुभमन गिल का नाम लेकर मजेदार कमेंट भी करता है।सारा तेंदुलकर क्रिकेटर शुभमन गिल को लेकर काफी ज्यादा सुर्खियों में भी रहती हैं। फैंस उनके रिलेशनशिप रयूमर्स को लेकर सोशल मीडिया पर अक्सर ज्यादा चर्चा करते रहते हैं।

सैयद किरमानी ने की 'स्टम्प्ड' किताब लॉन्च

नई दिल्ली.

भारत के वर्ल्ड कप विजेता विकेटकीपर सैयद किरमानी ने अपनी किताब 'स्टम्प्ड' लॉन्च की। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में रविवार को इवेंट हुआ। कपिल देव, जवागल श्रीनाथ, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले और वीवीएस लक्ष्मण भी मौजूद रहे। किरमानी ने ऑटो बायोग्राफी में अपने जीवन और क्रिकेट करियर के बारे में बताया। पेंग्विन की लंदन पब्लिकेशन ने बुक को पब्लिश किया। किरमानी के साथ देबाशीष सेनगुप्ता और दक्षेश पाठक भी किताब के ऑथर हैं। इवेंट में इन्फोसिस के चेयरमैन एनआर नारायण मूर्ति और कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार भी मौजूद रहे।क्रिकेट को राजनीति से दूर रखना चाहिए डीके शिवकुमार ने कहा, 'क्रिकेट को राजनीति से दूर रखना चाहिए। मैं क्रिकेट फैन हूं। 1983 में फाइनल के दौरान में मैनहटन में था। वहीं मुझे अगले दिन अखबार से पता लगा कि भारत ने वर्ल्ड कप जीत लिया। इसे मैं कभी नहीं भूल सकता।' किरमानी ने बर्थडे पर लॉन्च की किताब सैयद किरमानी ने अपने 75वें जन्मदिन पर ही ऑटोबायोग्राफी को लॉन्च किया। इवेंट में उनके समर्थकों के साथ उनके परिवार के कई सदस्य भी मौजूद रहे। इवेंट खत्म होने के बाद फैन्स किताब पर किरमानी का ऑटोग्राफ लेते भी नजर आए।किरमानी के नाम 3000 रन विकेटकीपर किरमानी ने भारत के लिए 88 टेस्ट और 49 वनडे खेले। उन्होंने टेस्ट में 2759 और वनडे में 373 रन बनाए। वनडे में 48 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने टेस्ट में 2 सेंचुरी और 12 फिफ्टी लगाई। 102 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा।किरमानी 1983 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे। वेस्टइंडीज के खिलाफ फाइनल में वह नंबर-10 पर बैटिंग करने उतरे उन्होंने 43 गेंदें खेलीं और 14 रन बनाए। उन्होंने बलविंदर संधू के साथ 10वें विकेट के लिए 22 रन की अहम पार्टनरशिप की थी, जिससे टीम इंडिया 183 रन के स्कोर तक पहुंची। भारत ने 43 रन से फाइनल जीता था।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस से बाहर हुआ भारत

मेलबर्न.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया. इस मुकाबले में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा. बता दें, इस मुकाबले के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव देखने को मिला है. बता दें, साउथ अफ्रीका की टीम फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है. भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका दूसरे स्थान के लिए लड़ रहे हैं. लेकिन मेलबर्न टेस्ट की हार के बाद टीम इंडिया की उम्मीदों को बड़ा झटका

लगा है.

टीम इंडिया को इस मैच में 340 रनों का टारगेट मिला था, लेकिन वह इसे चेज करने में नाकाम रही, जिसके चलते ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है. ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या टीम इंडिया डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है. इसका जवाब है नहीं. लेकिन डब्ल्यूटीएसी फाइनल क्वालीफिकेशन की किस्मत अब उनके हाथ में नहीं होगा. यानी टीम इंडिया को अब फाइनल में पहुंचने के लिए श्रीलंका के साथ की भी जरूरत है. हालाकिं, इससे पहले टीम इंडिया के बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आखिरी मैच हर हाल में जीतना होगा. मेलबर्न टेस्ट के बाद भी टीम इंडिया पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर ही बनी हुई है, लेकिन उसे पीसीटी में नुकसान हुआ है. 18 मैचों में 9 जीत और 7 हार के बाद टीम इंडिया अभी तक 2 ड्रॉ मैच भी खेले हैं, जिसके चलते अब उनके पीसीटी अंक 52.77 हो गए हैं. वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने 16 टेस्ट में 10वां मैच जीता है. ऑस्ट्रेलिया के अब पीसीटी अंक61.46 हो गए हैं.

पैट कमिंस ने बताई रणनीति

वहीं ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने दूसरी पारी घोषित नहीं करने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वह भारत के लिए इस मैच को जीतने की संभावना को कम करना चाहते थे। हमने हरफनमौला खेल से 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए कमिंस ने कहा, हम भारत को जीत की समीकरण से दूर ले जाना चाहते थे। हमारे पास मैच बचाने के लिए बहुत रन थे और और बल्ले के चारों अधिक फील्डर तैनात कर दबाव बनाना चाहते थे।"

प्रधानमंत्री मोदी ने डी. गुकेश से की मुलाकात

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते शनिवार को भारत के युवा शतरंज चैंपियन डी. गुकेश से मुलाकात की। 18 वर्षीय डी. गुकेश ने इस महीने शतरंज में सबसे कम उम्र का विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा,"भारत के गौरव, डी. गुकेश के साथ बातचीत करना बेहद शानदार अनुभव रहा। उनका दृढ़ संकल्प और समर्पण प्रेरणादायक है।"प्रधानमंत्री ने बताया कि वह कई वर्षों से गुकेश के करियर को नजदीक से देख रहे हैं। उन्होंने याद किया कि कुछ साल पहले गुकेश ने एक वीडियो में अपने सपने का जिक्र किया था।

पाइरेट्स को हराकर स्टीलर्स बने चैंपियन

नई दिल्ली.

अपने डिफेंडर्स के शानदार प्रदर्शन की बदौलत हरियाणा स्टीलर्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के फाइनल मुकाबले में तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स को 32-23 के अंतर से हराते हुए पहली बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। हरियाणा ने बीते साल भी फाइनल खेला था लेकिन वह पुनेरी पल्टन से हार गई थी। इसे हरियाणा के डिफेंडर्स बनाम पटना के रेडर्स का मुकाबला कहा जा रहा था और हरियाणा के डिफेंडर्स ने 11 के मुकाबले 16 अंकों के साथ लट्ठ गाड़ते हुए अपना वर्चस्व साबित किया और इस दौरान उन्होंने पटना के दोनों स्टार रेडर्स- देवांक (5) और अयान (3) को पूरी तरह रोके रखा। पटना के लिए डिफेंडर गुरदीप ने सबसे अधिक 6 अंक लिए।दूसरी ओर, हरियाणा के लिए शिवम पटारे (9) और मोहम्मदरेजा शादलू (7) ने दोनों विभागों में अपना कमाल दिखाया और राहुल सेतपाल (3) तथा जयदीप (2) के साथ मिलकर पटना के रेडरों की नकेल कसते हुए बतौर कोच मनप्रीत सिंह को चौथे प्रयास में पहला खिताब दिलाया। बहरहाल, पहले खिताब की आस में हरियाणा ने मनमाफिक आगाज के साथ शुरुआती 10 मिनट में 7-5 की बढ़त बना ली थी। इस दौरान दोनों टीमें डिफेंस में 3-3 से बराबरी पर रहीं लेकिन अयान और देवांक की नाकामी के कारण पटना रेडिंग में 4 के मुकाबले सिर्फ दो अंक ले सके। साथ ही शिवम पटारे पर लगाम नहीं लगा पाना भी उसे भारी पड़ता दिख रहा था।ब्रेक के बाद हालांकि देवांक ने शादलू की छुट्टी कर वापसी के संकेत दिए। इसके बाद अयान ने भी अपने हाथ खोले और मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर बराबर कर हरियाणा को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। अगली रेड पर शिवम ने अयान को सुपर टैकल कर हरियाणा को लीड दिला दी। शिवम डिफेंस में लगातार अंक ले रहे थे। हरियाणा 12-9 से आगे हो गए थे। इसके बाद अंकित ने विनय को लपका तो जयदीप ने देवांक को लपक इसका जवाब दिया।

पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का शेड्यूल जारी

नई दिल्ली.

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए कार्यक्रम की घोषणा की है, जो 19 फरवरी से 09 मार्च तक पाकिस्तान और यूएई में होगी। 19 दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में आठ टीमों के बीच 15 मैच खेले जाएंगे। वर्ष 1996 के बाद पहली बार पाकिस्तान वैश्विक क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। बांग्लादेश, भारत, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान ग्रुप ए में होंगे, जबकि ग्रुप बी में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका होंगे। पाकिस्तान में लाहौर, कराची और रावलपिंडी के स्टेडियम मैचों की मेजबानी करेंगे, जबकि दुबई संयुक्त अरब अमीरात में मैचों की मेजबानी करेगा। चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी को कराची में मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच के शुरुआती दिन से होगी। अन्य प्रमुख मुकाबलों में दुबई में प्रतियोगिता के दूसरे दिन बांग्लादेश का भारत से मुकाबला और 21 फरवरी को कराची में अफगानिस्तान का दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला शामिल है।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा है कि "आईसीसी को पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए शेड्यूल जारी करते हुए खुशी हो रही है, जो 2017 के बाद से टूर्नामेंट की बहुप्रतीक्षित वापसी का प्रतीक है। रोमांचक प्रतियोगिता, जिसमें आठ टीमें प्रतिष्ठित सफेद जैकेट पर दावा करने के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं।" प्रशंसकों को अविस्मरणीय मनोरंजन के 15 मैच प्रदान करेगा।उन्होंने आगे कहा कि "यह संस्करण पाकिस्तान और यूएई में होगा, और दुबई आईसीसी मुख्यालय के घर के रूप में भी काम करेगा, यह विरासत और आधुनिकता के साथ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट का प्रदर्शन करने का अवसर दर्शाता है। यह चैंपियंस ट्रॉफी वास्तव में विश्व क्रिकेट के बेहतरीन प्रदर्शन का एक अविस्मरणीय उत्सव बनने के लिए तैयार है।"

आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शेड्यूल

19 फरवरी – पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, नेशनल स्टेडियम, कराची

20 फरवरी – बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, दुबई

21 फरवरी – अफगानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका, नेशनल स्टेडियम, कराची

22 फरवरी – ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर

23 फरवरी – पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, दुबई

24 फरवरी – बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड, रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, रावलपिंडी

25 फरवरी – ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, रावलपिंडी

26 फरवरी – अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड, गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर

पांड्या की वनडे क्रिकेट में वापसी मुश्किल

नई दिल्ली.

भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की वनडे क्रिकेट में वापसी मुश्किल हो सकती है. उन्होंने एक साल से भी ज्यादा समय के बाद अपना पहला 50 ओवर का मैच खेला और बल्ले से उसमें फ्लॉप रहे. विजय हजारे ट्रॉफी में बंगाल के खिलाफ बड़ौदा की तरफ से खेलते हुए पांड्या सिर्फ एक रन बना पाए और दूसरी ही गेंद पर आउट हो गए. पांड्या ने आखिरी बार 50 ओवर का क्रिकेट अक्टूबर 2023 में खेला था, जब उन्होंने विश्व कप के ग्रुप मैच में भारत के लिए खेला था,

इसके बाद वह चोटिल हो गए और तब से उन्होंने 50 ओवर का मैच नहीं खेला है. उन्हें उम्मीद है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले उन्हें ज्यादा मैच अभ्यास मिलेगा.

विजय हजारे ट्रॉफी में हार्दिक पांड्या नंबर 5 पर बल्लेबाजी करने आए, लेकिन बंगाल के प्रदीप्त प्रमाणिक ने उन्हें सिर्फ 1 रन पर आउट कर दिया. टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर यह रही कि पंड्या गेंद के साथ अच्छी लय में दिखे. गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए पंड्या ने सात ओवर फेंके और एक विकेट भी लिया. उन्होंने 33 रन देकर 1 विकेट लिया और खतरनाक अभिषेक पोरेल को आउट किया. हालांकि, बड़ौदा का 228 रन का स्कोर जीत के लिए काफी नहीं था.

घरेलू मैदान पर खेलने वाले अनुस्तुप मजूमदार की नाबाद 99 रन की पारी की बदौलत बंगाल ने सात ओवर शेष रहते सात विकेट से जीत हासिल कर ली. पंड्या फरवरी के अंत में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अपनी फिटनेस और फॉर्म को फिर से हासिल करने की उम्मीद कर रहे होंगे. एक शक्तिशाली बल्लेबाज और एक तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के रूप में उनके ऑलराउंड कौशल को देखते हुए, पंड्या की फिटनेस टीम इंडिया के लिए एक बड़ी उम्मीद होगी. पांड्या सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 में बड़ौदा के लिए नियमित रूप से खेलने वाले खिलाड़ी थे और उन्होंने करीब हर मैच में चारों ओवर बल्लेबाजी की. उन्होंने टी20 फॉर्मेट में शानदार बल्लेबाजी भी की. पांड्या की फिटनेस टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है. रोहित शर्मा , गौतम गंभीर और उनकी टीम के पास नितीश रेड्डी के रूप में एक विश्वसनीय बैकअप हो सकता है. रेड्डी ने पिछले दिनों मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला टेस्ट शतक भी जड़ा है.

भाजपा का आरोप: देश शोक मना रहा

राहुल नए साल का जश्न मनाने गए विदेश

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा। पार्टी ने कहा कि जब देश पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, तो लोकसभा में विपक्ष के नेता नए साल का जश्न मनाने के विदेश चले गए हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने मनमोहन सिंह का अपमान किया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर लिखा, 'जब देश पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, तब राहुल गांधी नए साल का जश्न मनाने के लिए विदेश जा रहे हैं। देश सात दिन के शोक में है। कांग्रेस को डॉ. मनमोहन सिंह की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने जीवनभर उनका अपमान किया और अब भी यही कर रहे हैं। कल कोई भी उनका अस्थि कलश लेने नहीं गया। जैसा कि ताजा खुलासों में सामने आया है कि कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह को भारत रत्न देने से भी इनकार किया। यही इनका असली चेहरा है। पूनावाला ने आगे कहा कि राहुल गांधी के लिए 'पर्यटन' कोई नई बात नहीं है। मीडिया से बात करते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा, 'राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के पद को 'पर्यटन नेता' और 'पार्टी नेता' में बदल दिया है। जब देश डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, राहुल गांधी पर्यटन और पार्टी के काम के लिए विदेश चले गए हैं, जैसा कि मीडिया में आ रही खबरों में कहा जा रहा है। राहुल गांधी का पर्यटन नया नहीं है। जब 26/11 मुंबई हमला हुआ था, तब वह सारी रात पार्टी कर रहे थे। उन्हें डॉ. मनमोहन सिंह के निधन का कोई दुख नहीं है।

गांधी परिवार-कांग्रेस को सिखों से नफरत: मालवीय

- वहीं, भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने भी राहुल गांधी पर हमला बोला और कहा कि उन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह को अपनी राजनीति के लिए इस्तेमाल किया था। मालवीय ने आरोप लगाया कि गांधी परिवार और कांग्रेस सिखों के प्रति नफरत रखते हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मालवीय ने कहा, जब देश डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, राहुल गांधी नए साल के लिए वियतनाम गए हैं। राहुल गांधी ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन का सियासी लाभ उठाने की कोशिश की।

कार्टर के निधन पर पीएम मोदी ने जताया शोक

नई दिल्ली. पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने उनको महान दूरदर्शी राजनेता बताया। पीएम ने कहा कि उन्होंने वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए अथक प्रयास किया।पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर भारत आने वाले तीसरे अमेरिकी राष्ट्रपति थे। जिमी कार्टर का भारत से खास नाता रहा है और जब वे भारत दौरे पर आए थे तो हरियाणा के एक गांव भी गए थे। जिमी कार्टर के सम्मान में उस गांव का नाम बदलकर उनके नाम पर रख दिया गया था। जिमी कार्टर का रविवार देर रात 100 साल की उम्र में निधन हो गया। जिमी कार्टर अमेरिकी इतिहास के सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले राष्ट्रपति थे। जिमी कार्टर सेंटर ने एक बयान में कहा कि कार्टर के भारत दौरे ने ही भारत-अमेरिका की स्थायी साझेदारी की नींव रखी, जिससे दोनों देशों को फायदा हुआ। कार्टर सरकार के बाद से अमेरिका और भारत ने ऊर्जा, मानवीय सहायता, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष सहयोग, समुद्री सुरक्षा, आपदा राहत, आतंकवाद विरोधी आदि क्षेत्रों में मिलकर काम किया। 2000 के दशक के मध्य में, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत ने पूर्ण असैन्य परमाणु सहयोग की दिशा में काम करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता किया था और तब से द्विपक्षीय व्यापार में भारी वृद्धि हुई है। जिमी कार्टर का रविवार देर रात जॉर्जिया में उनके घर पर निधन हुआ। 1 अक्तूबर 1924 को जन्मे जिमी कार्टर साल 1977 से लेकर 1981 तक अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति रहे। कार्टर मेलानोमा नामक बीमारी से पीड़ित थे। यह एक तरह का स्किन कैंसर होता है और यह कार्टर के लिवर और दिमाग तक फैल गया था। कार्टर का इलाज उनके घर पर ही चल रहा था। राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद कार्टर ने 'कार्टर सेंटर' नामक संस्था के जरिए मानवता के लिए काम किया। इसके लिए उन्हें साल 2002 में नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया था।

श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा की विशेष व्यवस्था

नई दिल्ली. पूरी दुनिया नए साल की तैयारियों में जुटी हुई है। दो दिन बाद नए साल का आगाज होने जा रहा है। इस बीच ओडिशा के पुरी में नए साल पर भक्तों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) और पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। मंदिर में दर्शन और श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। मंदिर प्रशासन ने बताया कि 12वीं सदी के इस मंदिर में दर्शन के लिए सिंहद्वार से ही केवल प्रवेश मिलेगा। वहीं, बाहर जाने के लिए तीन द्वारों की व्यवस्था की है। सामान्य श्रद्धालुओं को सिंहद्वार के अलावा किसी अन्य द्वार से प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, यह व्यवस्था सेवकों और उनके परिवारजनों पर लागू नहीं होगी।

वे किसी भी द्वार से प्रवेश और निकासी कर सकेंगे। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरविंद पद्मी ने कहा, 'हम सभी से निवेदन करते हैं कि इस व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करने में सहयोग करें, ताकि महाप्रभु (भगवान जगन्नाथ) के दर्शन अच्छे से हो सके। यह व्यवस्था 31 दिसंबर और 1 जनवरी को लागू रहेगी। डीआईजी (केंद्रीय) चरण सिंह मीना ने बताया कि इन दो दिनों के लिए 60 प्लाटून्स (1 प्लाटून में 30 कर्मी) की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा, 10 अतिरिक्त एसपी, 33 डीएसपी, 62 निरीक्षक, 245 उप-निरीक्षक और सहायक एसआई को भी भीड़ नियंत्रण और प्रबंधन के लिए तैनात किया जाएगा। मंदिर के अंदर पुलिस की दो टीम तैनात की जाएंगी और विशेष एंटी-स्नैचिंग टीमों का भी गठन किया जाएगा। इसके अलावा, यातायात व्यवस्था और पार्किंग स्थानों की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि पुरी के विभिन्न प्रवेश बिंदुओं पर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी गई है और शहर के भीतर भी निरीक्षण जारी है। साथ ही, समुद्र तट पर पर्यटकों की निगरानी के लिए विशेष चौकी भी स्थापित की जाएगी।

इसरो ने स्पेडेक्स मिशन की लॉन्चिंग का समय बदला

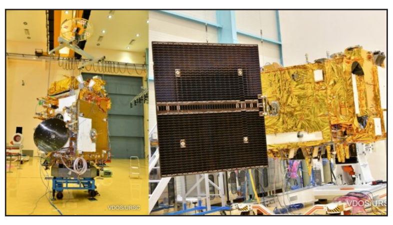

नई दिल्ली. इसरो ने अपने महत्वकांक्षी अंतरिक्ष मिशन 'स्पेडेक्स' की लॉन्चिंग को दो मिनट आगे बढ़ा दिया है। इसरो का यह मिशन उसके अंतरिक्ष कार्यक्रम में मील का पत्थर साबित होगा। पहले इसरो अपने स्पेस डॉकिंग मिशन स्पेडेक्स की लॉन्चिंग सोमवार रात 9.58 पर करने वाला था, लेकिन अब यह लॉन्चिंग दो मिनट की देरी से रात 10 बजे होगी। हालांकि लॉन्चिंग के समय में इस बदलाव की वजह इसरो ने नहीं बताई है। इसरो ने सोमवार को एक अपडेट में कहा, 'लॉन्च का दिन आ गया है। आज रात ठीक 10 बजे, स्पेडेक्स और नए पेलोड के साथ पीएसएलवी-सी60 उड़ान भरने के लिए तैयार है।अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, 'अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग पृथ्वी की कक्षा में डॉकिंग की भारत की क्षमता स्थापित करने के लिए एक अहम मिशन है, जो भविष्य में इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने और उपग्रह सेवा मिशनों के लिए बेहद अहम तकनीक है।'

इसरो के एक अधिकारी ने बताया कि रविवार रात 9 बजे शुरू हुई 25 घंटे की उल्टी गिनती जारी है। भारत से पहले सिर्फ चीन, रूस और अमेरिका ही स्पेस डॉकिंग का सफल परीक्षण कर चुके हैं। भारत के चंद्रयान-4 मिशन की कामयाबी भी स्पेडेक्स मिशन पर निर्भर है। स्पेडेक्स लॉन्चिंग का इसरो के यूट्यूब चैनल पर रात साढ़े नौ बजे से सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसरो पीएसएलवी रॉकेट में दो अंतरिक्ष यान- स्पेसक्राफ्ट ए (एसडीएक्स01) और स्पेसक्राफ्ट बी (एसडीएक्स02) को एक ऐसी कक्षा में रखा जाएगा, जो उन्हें एक-दूसरे से 5 किमी दूर रखेगी।

पृथ्वी की कक्षा में पहुंचने के बाद स्पेसक्राफ्ट की गति करीब 28,800 किलोमीटर प्रतिघंटे होगी। यह गति कमर्शियल विमान की रफ्तार से 36 गुना ज्यादा और गोली की गति से भी 10 गुना ज्यादा होगी। इस गति में दोनों अंतरिक्षयानों की गति को पहले जमीन से ही नियंत्रित कर उसे 0.25 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार पर लाया जाएगा और फिर दोनों अंतरिक्षयान को आपस में जोड़ दिया जाएगा। इसरो अधिकारियों ने बताया कि यह प्रक्रिया सोमवार को निर्धारित प्रक्षेपण के लगभग 10-14 दिन बाद होने की उम्मीद है।

गाजा में महिलाओं की जिंदगी हो रही मुश्किल

गाजा. हमास और इजराइल के बीच शुरू हुए युद्ध को एक साल से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन यह युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है. इस युद्ध की आग में पूरा गाजा तबाह हो गया है. जहां कई लोगों की मौत हुई है, वहीं कई लोगों का हर दिन जीना मुश्किल होता जा रहा है. इस युद्ध में लोगों के घर तबाह हो गए हैं और हजारों लोग एक साथ टेंट में रहने को मजबूर हैं. इन टेंट में रहना आसान नहीं है, महिलाओं को इन टेंट में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. इन छोटे-छोटे टेंट में रहने पर महिलाओं को किसी भी तरह की प्राइवेसी नहीं मिल रही है. महिलाओं को इन टेंट में कई अजनबी और दूर-दराज के रिश्तेदारों के साथ रहना पड़ रहा है.

एक ही टेंट में बच्चे, महिलाएं, पुरुष एक साथ रहने पर मजबूर है. इन टेंट में महिलाओं को कपड़े बदलने के लिए कोई अलग से जगह नहीं मिल रही है, सोने के लिए कोई अलग से जगह नहीं है और उनकी प्राइवेसी मानो उन से छीन ली गई है. महिलाओं को गाजा में जंग के हालातों में महामारी के दिनों में मेंस्टुअल प्रोडक्ट नहीं मिल रहे हैं. इसी के चलते महिलाओं को कपड़ा और फटी पुरानी शीट इस्तेमाल करनी पड़ रही हैं. साथ ही एरिया में टॉयलेट तक नहीं है. गाजा में इन परेशानियों का सामना कर रही अला हमामी ने कहा, हमारी पूरी जिंदगी नमाज के लिए पहने जाने वाले कपड़े पहन कर गुजर रही है.

अब हम इस शॉल को नहीं उतार सकते, रात को सोने से लेकर हर वक्त हम यह कपड़े पहनते हैं. हर वक्त आसपास इतने सारे पुरुषों के चलते वो हर वक्त खुद को पूरी तरह से कवर करने के लिए यह कपड़े पहनती हैं. साथ ही वो रात को सोते समय भी खुद को पूरी तरह से कवर करने वाले कपड़े पहनते हैं क्योंकि अगर रात को अचानक इजराइली हमला हो जाए तो वो फौरन भाग सके. इजराइल और हमास के बीच पिछले 14 महीने से जंग चल रही है.

एलन मस्क ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली. एच-1 बी वीजा कार्यक्रम पर अरबपति टेक दिग्गज एलन मस्क ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली अव्यवस्थित है। इसमें बड़े सुधार की जरूरत है। एलन मस्क और भारतीय मूल के राजनेता विवेक रामास्वामी लगातार एच-1बी वीजा का समर्थन कर रहे हैं। इसे लेकर दोनों नेता नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों से भी भिड़ चुके हैं। एक्स पर पोस्ट में एलन मस्क ने कहा कि एच-1 बी वीजा प्रणाली अव्यवस्थित है और इसमें बड़े सुधार की जरूरत है।

एक एक्स यूजर ने लिखा था कि अमेरिका को विश्व की सर्वाधिक विशिष्ट प्रतिभाओं के लिए गंतव्य बनना चाहिए, मगर एच-1 बी वीजा कार्यक्रम इसका सही तरीका नहीं है। इसके जवाब में मस्क ने लिखा कि न्यूनतम वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि करके और वार्षिक जरूरी लागत जोड़कर एच-1 बी वीजा को ठीक किया जा सकता है। जिससे घरेलू स्तर की तुलना में विदेशों से भर्ती करना अधिक महंगा हो जाएगा।

पिछले सप्ताह मस्क ने कहा था कि अमेरिका में काफी कम उच्च प्रशिक्षित कर्मचारी होते हैं और अगर अमेरिका को आगे भी तरक्की करते रहना है तो विदेशों से कुशल कर्मचारियों को लाना बेहद जरूरी है। मस्क के समर्थन में भारतीय मूल के राजनेता विवेक रामास्वामी ने कहा था कि अमेरिका की संस्कृति लंबे समय से उत्कृष्टता को छोड़कर सिर्फ औसत दर्जे को महत्व देती है।

हिंदू भिक्षु की रिहाई की मांग

ढाका. बांग्लादेश में एक अल्पसंख्यक समूह ने चिन्मय कृष्ण दास की तत्काल रिहाई की मांग उठाई है। इसमें कहा गया कि गिरफ्तार हिंदू भिक्षु के खिलाफ मामला झूठा और उत्पीड़नकारी है। बता दें कि इस्कॉन के पूर्व नेता दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। जहां चटगांव की एक अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें जेल भेज दिया, क्योंकि उन पर देश के झंडे का कथित रूप से अपमान करने के लिए देशद्रोह का आरोप लगाया गया था। मामले की सुनवाई 2 जनवरी, 2025 को होगी। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद (बीएचबीसीओपी) ने एक बयान जारी कर उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। बीएचबीसीओपी के कार्यवाहक महासचिव मनिंद्र कुमार नाथ द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है कि दास सहित 19 लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया देशद्रोह का मामला झूठा और उत्पीड़नकारी है।

बिश्नोई के नाम से महंत को मिली धमकी

छतरपुर. जानराय टौरिया के महंत भगवानदास वैष्णव को जान से मारने की धमकी मिली है. उन्होंने इस मामले में सिटी कोतवाली में एक शिकायत दर्ज कराई है. उन्होंने शिकायत में बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है. आरोपी ने उन्हें पोस्ट डालकर धमकी दी और कहा कि वह बिश्नोई गैंग का सदस्य है. महंत भगवानदास का कहना है कि पूर्व में उन्होंने एक पुजारी को मंदिर से हटाया था. उसके बाद से ही वह पुजारी बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकियां दे रहा है. जानकारी के मुताबिक महंत धर्मदास वैष्णव के बेटे भगवानदास वैष्णव छतरपुर के वार्ड नंबर 5 टोरिया मोहल्ला के रहने वाले हैं. वह जानराय टौरिया में 35 सालों से महंत का काम करते हैं. उनके कार्य क्षेत्र में 12 मंदिरों की व्यवस्था की जाती है. इसी के अंतर्गत संकट मोचन की धनुषधारी मंदिर भी आती है. पहले बांदा के बबेरू गांव के रहने वाले प्रतिश त्रिपाठी को महंत बनाया था, लेकिन उनके गलत व्यवहार और मंदिर में गंदगी की वजह से उन्हें हटा दिया गया था. प्रतिश त्रिपाठी के महंत रहते हुए मंदिर में महिलाओं से अभद्रता और पुरुषों के साथ गाली गलौज की गई. इसी वजह भगवानदास ने प्रतिश को मंदिर से हटा दिया था. इसी बात से नाराज प्रतिश ने सोशल मीडिया पर भगवानदास को धमकी दी. उसने अपने आप को बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए पोस्ट डाली और तब से बाद से ही वह लगातार फोन पर धमकियां देकर भगवानदास को परेशान कर रहा है. अब भगवान दास महाराज ने प्रतिश की शिकायत सिटी कोतवाली थाना प्रभारी से की और कड़ी कार्रवाई की मांग की. थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

11 जनवरी को राम मंदिर में वर्षगांठ आयोजित

प्रवचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

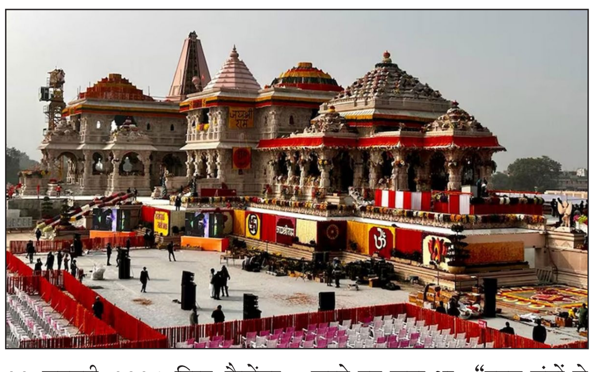

अयोध्या. अयोध्या राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के एक साल पूरे होने पर 11 जनवरी को प्रतिष्ठा द्वादशी का भव्य वर्षगांठ समारोह आयोजित होगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट इसके लिए अतिथियों की सूची को अंतिम रूप दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 2024 में 22 जनवरी को मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। पीएम मोदी उस पूजन कार्यक्रम के मुख्य यजमान थे और खुद को इसके लिए तैयार करने के मकसद से उन्होंने 11 दिन का विशेष व्रत रखा था।

अगर आप सोच रहे हैं कि 22 जनवरी की प्राण प्रतिष्ठा की सालगिरह 11 दिन पहले 11 जनवरी को क्यों मना रहे हैं तो इसका जवाब हिन्दू कैलेंडर और पंचांग में है। अंग्रेजी कैलेंडर का 22 जनवरी 2024 हिन्दू कैलेंडर में पौष महीने के शुक्ल पक्ष का द्वादशी था। इस साल हिन्दू कैलेंडर में वो दिन 11 जनवरी को पड़ रहा है। इसलिए हिन्दू पंचाग के अनुसार भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का सालगिरह 22 जनवरी के बदले 11 जनवरी को ही आयोजित होगा। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने 25 नवंबर को इसका ऐलान करते हुए कहा था- "पूज्य संतों से परामर्श के पश्चात यह तय किया गया है कि जिस प्रकार हिंदू उत्सव तिथि एवं पंचांग अनुसार मनाएं जाते हैं, उसी प्रकार श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ को पंचांग अनुसार पौष शुक्ल द्वादशी अर्थात कूर्म द्वादशी को मनाया जाए। वर्ष 2025 में यह तिथि 11 जनवरी को होगी.

श्रीराम मंत्र का छह लाख बार जप किया जाएगा

- ट्रस्ट ने इस मौके पर तीन दिन तक चलने वाले कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इसके लिए पांच जगह आयोजन स्थल बनाया गया है। यज्ञ मंडप में 1975 मंत्रों से अग्नि देवता को आहुति दी जाएगी। छह लाख बार श्रीराम मंत्र का जाप होगा। प्रार्थना मंडप में भगवान को राग सेवा पेश की जाएगी। मंदिर प्रांगण में तीनों दिन रामलला के सामने बधाई गान होगा। यात्री सुविधा केंद्र पर संगीतमय मानस पाठ होगा। अंगद टीला पर दिन में रामकथा, प्रवचन और शाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।